हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 26 जनवरी 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

RSPL
EVOLUTION IS CONSTANT

घड़ी
डिटर्जेंट

कुछ करने के लिए,
खुद को मैला
करने वालों के नाम.

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं.

Ghadi
DETERGENT
DESH KI NEEV

पहले इस्तेमाल करें, फिर विश्वास करें

76 वें
गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
अनंत संभावनाएँ
24-25 फरवरी 2025, भोपाल
संवैधानिक मूल्यों के साथ
मध्यप्रदेश का चौतरफा विकास
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) समाज के इन चार स्तंभों के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद पर मध्यप्रदेश छुएगा विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयां
गरीब कल्याण मिशन के माध्यम से प्रदेश के गरीब और वंचितों को मिलेंगे आगे बढ़ने के हर संभव अवसर। वर्ष 2028 तक प्रदेश बनेगा गरीबी मुक्त।
स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोज़गार और नेतृत्व क्षमता विकास से सुनिश्चित करेगा युवाओं का सशक्तिकरण।
देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करेगा।
किसान कल्याण मिशन के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय वृद्धि के साथ ही कृषि को अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए समर्पित है।
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11167/24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | जबलपुर, रविवार 26 जनवरी 2025

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 26 जनवरी रविवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 28 जनवरी मंगलवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

संविधान दिवस पर विशेष: मध्य भारत प्रांत से संविधान की प्रारूप समिति में शामिल थे 19 दिग्गज

6 महीने का वक्त, 303 निब और 254 बोतल स्याही से हाथ से लिखा गया था हमारा संविधान

अंग्रेजी में इसे लिखा था कैलीग्राफी कलाकार प्रेमबिहारी नारायण और हिंदी में लिखा था वसंतकृष्ण वैद्य ने

अटल तिवारी/मुकेश कुमार शर्मा ▶▶विदिशा/राजगढ़

22 इंच लंबी। 16 इंच चौड़ी। सोने की कारीगरी। इंग्लैंड से मंगवाए गए पार्चमेंट पेपर पर हाथ से लिखी गई यह किताब आजाद भारत का एक पवित्र ग्रंथ है। यह हमारा संविधान है। जिसे अंग्रेजी में लिखा था कैलीग्राफी कलाकार प्रेमबिहारी नारायण राजजादा ने। हिंदी में लिखा था वसंतकृष्ण वैद्य ने। पं. जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि अंग्रेजी प्रारूप इटैलिक में लिखा जाए। प्रेमबिहारी ने इसे इटैलिक शब्दों में ही लिखा। पहले इसमें 395 आर्टिकल, 8 शेड्यूल व एक प्रस्तावना थी। इसमें चित्र बनाए थे शांति निकेतन के कलाकार नंदलाल बोस ने, जिन्होंने भारत रत्न व पद्म पुरस्कारों को डिजाइन किया है। यह मूल प्रति संसद की लाइब्रेरी में कांच के बक्सों में रखी है, जो कैलीफोर्निया से मंगवाए गए थे। इनमें हीलियम गैस भरी हुई है। ताकि, पांडुलिपि को कोई नुकसान न पहुंचे। संविधान की प्रारूप समिति में मध्य भारत प्रांत से 19 दिग्गज शामिल थे। इन सदस्यों के रूप में मऊ से डॉ. भीमराव आंबेडकर, राजगढ़ से राधावल्लभ विजयवर्गीय, जबलपुर से सेठ गोविंद दास, सागर से पंडित रविशंकर शुक्ल, डॉ. हरिसिंह गौर और रतनलाल मालवीय, भोपाल से मास्टर लालसिंह सिनसिनवार, खंडवा से भगवंत राव मंडलोई, नरसिंहपुर से हरिविष्णु कामथ, जबलपुर से फ्रेंक एंथोनी, नीमच से सीताराम जाजू, सतना से अवधेश प्रताप सिंह, शहडोल से शंभूनाथ शुक्ल, विदिशा से बाबू रामसहाय, इंदौर से विनायक सीताराम सरवटे और गुना से गोपीकृष्ण विजयवर्गीय प्रमुख थे।

बाबू राधावल्लभ व रामसहाय को भी मिला था यह गौरव

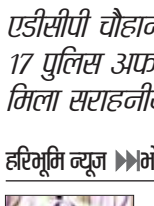

राजगढ़ रियासत से अपना सफर शुरू करते हुए बाबू राधावल्लभ विजयवर्गीय ने अपनी शिक्षा सिंगापुर एवं लंदन से पूरी की। नरसिंहगढ़ पहुंचने पर बाबू राधावल्लभ ने अछूतों की सेवा के लिए मित्र मंडल की स्थापना की व देश की आजादी के लिए लोगों को जागरूक किया। अछूतों की सेवा के लिए हरिजन सेवा संघ की स्थापना की गई। बाबू राधावल्लभ को झूठे आरोप लगाकर गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की जानकारी के लिए महात्मा गांधी को पत्र लिखा गया तब गांधी जी की सहयोगी राजकुमारी अमृतकौर एवं कन्हैयालाल वैद्य नरसिंहगढ़ आए। विदिशा के बाबू रामसहाय को संविधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त हुआ।

रोहित टी 20 टीम ऑफ द ईयर 24 के कप्तान

दुबई। पिछले साल जून में भारतीय टीम को दूसरा आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर 2024 का कप्तान चुना गया। भारतीयों के दबदबे वाली इस टीम में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल हैं। कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर 2024 रोहित के लिए अविस्मरणीय रहा। इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 11 मैचों में 42.00 के शानदार औसत और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए।

कूटनीति का कमाल : 15 साल बाद भारत को मिली बड़ी सफलता

अब 'वापस' लाया जाएगा तहव्वुर राणा हेडली के साथ की थी हमले की साजिश

राणा ने तर्क दिया कि उसे इलिनोइस (शिकागो) की संघीय अदालत में 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले से संबंधित आरोपों पर मुकदमा चलाया गया और बरी कर दिया गया था। भारत ने भी उन्हीं आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की मांग की थी, जिनके आधार पर शिकागो की अदालत ने राणा को बरी कर दिया था

2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में छह अमेरिकियों सहित 166 लोग मारे गए थे

10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक मुंबई के अहम स्थानों पर हमला किया था और लोगों की हत्या की थी

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। शीर्ष अदालत ने उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया है। भारत पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था, क्योंकि वह 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में वांछित है। राणा को एफबीआई ने अक्तूबर 2009 में गिरफ्तार किया था।

राणा वर्तमान में लॉस एंजिल्स में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में

राणा प्रत्यर्पण से छूट का हकदार नहीं

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 21 जनवरी को शीर्ष अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि याचिका अस्वीकार की गई। राणा वर्तमान में लॉस एंजिल्स में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में है। इससे पहले अमेरिकी सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि पुरीक्षण याचिका को खारिज किया जाना चाहिए। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी. प्रीलोगर ने 16 दिसंबर को उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपने दस्तावेज में यह बात कही।

अब इनका नंबर

विजय माल्या *अनमोल*

नीरव मोदी *मेहुल* *अर्श*

अमेरिकी सरकार भी राणा के प्रत्यर्पण के लिए तैयार

अमेरिकी सरकार भी राणा के प्रत्यर्पण के लिए तैयार है और बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रीलोगर ने सुप्रीम कोर्ट से राणा की याचिका को खारिज करने की अपील की थी। राणा के वकील ने अमेरिकी सरकार की सिफारिश को चुनौती दी और सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि उसकी रिट स्वीकार की जाए।

मप्र के 21 पुलिस अफसर-कर्मचारियों को राष्ट्रपति पदक

देउस्कर-हिमानी सहित 4 पुलिस अफसरों को विशिष्ट सेवा पदक

एडीसीपी चौहान सहित 17 पुलिस अफसरों को मिला सराहनीय सेवा पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

हिमानी खन्ना

मकरंद देउस्कर

शैलेंद्र चौहान

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के 4 अधिकारी एवं कर्मचारी को विशिष्ट सेवा पदक और 17 अधिकारी एवं कर्मचारियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है। स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त 2025 को अलंकरण समारोह में इन्हें पदक सौंपे जाएंगे। पुलिस महानिरीक्षक मकरंद देउस्कर, पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना, निरीक्षक वीर विक्रम सिंह सेंगर तथा निरीक्षक नवाब खान को विशिष्ट सेवा पदक देने की घोषणा की गई। मप्र पुलिस के 21 पुलिस अधिकारियों को सेवा के दौरान उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। सराहनीय सेवा के लिए पुलिस महानिरीक्षक रुचि वर्धन मिश्रा, उप पुलिस महानिरीक्षक बीरेंद्र कुमार सिंह, सहायक पुलिस महानिरीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, सहायक पुलिस महानिरीक्षक विनय प्रकाश पॉल, निरीक्षक पंकज कुमार राजवैद्य, निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा, निरीक्षक मनोज बैस, उप पुलिस अधीक्षक ऋतुराज गुप्ता, निरीक्षक दीपिका शिंदे, सहायक उप निरीक्षक देवबहादुर सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक सतीश मंडिया, आरक्षक ए. जानकी राव, उप निरीक्षक राज कुमार तिवारी, उप निरीक्षक योगेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक होशियार सिंह ठाकुर को पदक दिया जाएगा।

आजकल हरिभूमि

भारत आज 26 जनवरी को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह भारत के गणतंत्र की सफल यात्रा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त हो रहा है। गुलामी के प्रतीकों से बाहर आ रहा है। भारतीय दंड संहिता में बदलाव इसी दिशा में कदम है। राष्ट्र अमृतकाल में है और वर्ष 2047 तक विकसित बनने के प्रति कृतसंकल्पित है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल दूरदर्शिता का एक प्रयास है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने अब तक 76 वर्ष में भारत ने कृषि, उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल, सेवा आदि समेत सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि गरीबी उन्मूलन, आर्थिक असमानता, जातिवाद व महिला सशक्तिकरण समेत अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस बार इंडोनेशिया के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि हैं, पहले गणतंत्र दिवस पर भी इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे। भारत गणतंत्र दिवस पर किसी एक विदेशी राष्ट्र प्रमुख को मुख्य अतिथि बनाता रहा है। इस दिन राजधानी दिल्ली में भारत अपने सामरिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी करता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालता आजकल का यह अंक...

प्रगति पथ पर हमारा गणतंत्र

गणतंत्र दिवस

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया।

आज भारत राष्ट्र अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। उस संविधान की भावना के अनुरूप ही भारत एक प्रभुता संपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य बना। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया। मसलन ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली ग्रहण की। यूएस के संविधान से मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय, कनाडा के संविधान से राज्यों का संघ होना, आयरलैंड के संविधान से राज्य-नीति के निर्देशक सिद्धांत, आस्ट्रेलिया के संविधान से समवर्ती सूची, जर्मनी के संविधान से राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तिं स्रोत तथा दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संवैधानिक संशोधन की प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण बातें ग्रहण की। गौर करें तो भारतीय संविधान की यह सभी विशेषताएं भारतीय संविधान को उदारवादी और विकासवादी बनाती हैं।

सभी नागरिकों को समान अधिकार

भारतीय संविधान भारत में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार देता है जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान है। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। संविधान ने राज्य के लोगों की स्वतंत्रता व उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दिया है।

संविधान के तहत राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं। भारतीय संविधान के मुताबिक संघीय शासन की स्थापना के बावजूद भी प्रत्येक नागरिक को इकहरी या एकल नागरिकता प्राप्त है और इससे राष्ट्र की भावनात्मक एकता की पुष्टि होती है। भारत का प्रत्येक नागरिक चाहे वह देश के किसी भी भाग में रहे भारत का ही नागरिक है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह राज्यों की कोई पृथक नागरिकता नहीं है।

नागरिकों को सूचना प्राप्ति का अधिकार

धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार है। संविधान में सुनिश्चित किया है कि शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दी है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर भी अंकुश लगा है। भारत का तीव्र गति से विकास हो रहा है और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता भी बनी हुई है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है।

देश हर क्षेत्र में कर रहा प्रगति

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इनोवशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए लेन-देन बढ़ा है। एसबीआई के इकॉनोमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई लेन-देन की मात्रा वित्त वर्ष 2024 में 247 लाख करोड़ के पार पहुंच गयी है। विनिर्माण क्षेत्र में ग्रोथ से भारत के निर्यात में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। बीते दस वर्षों में 120 अरब डॉलर से ज्यादा की नई कंपनियां अस्तित्व में आई हैं। आज इनका मूल्य 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। गत वर्ष पहले नीति आयोग के डिस्कशन पेपर 'मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग मल्टीडाइमेंशनल गरीबी से बाहर निकले हैं। केंद्र सरकार भूख की गरीबी को खत्म करने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना संचालित कर रही है जिसके जरिए देश के 81.44 करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जा रहा है। उज्जवला योजना के अंतर्गत दस करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास दिया जा चुका है। साढ़े पांच करोड़ से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड हासिल कर चुके हैं। जनधन खाताधारकों की संख्या 53.1 करोड़ के पार पहुंच चुकी है जिसमें 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है और 35 करोड़ रुपे कार्ड जारी किया गया है। भारतीय गणतंत्र ने अपने क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन अभी भी अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। असमानता मिटाना बड़ा लक्ष्य है।

ब्रिगेडियर सावंत थे गणतंत्र दिवस परेड की आवाज

यादें

गीता शुक्ला
स्वतंत्र पत्रकार

आज गणतंत्र दिवस परेड को लाखों लोग राजधानी में कर्तव्यपथ से गुजरते हुए देखेंगे। इसी तरह से करोड़ों भारतीय परेड को अपने टीवी सेटों पर देखेंगे। पर इस बार टीवी पर परेड को देखने वालों को परेड का आंखों देखा हाल ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत से सुनने को नहीं मिलेगा। उन्होंने 1980 से लेकर 2023 तक गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत जब रेडियो या टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाते हुए भारतीय सेना के तीन अंगों और अर्धसैनिक बलों की शौर्य गाथाओं को दर्शकों तक पहुंचाते थे, तो रोंगटे खड़े हो जाते थे। ब्रिगेडियर सावंत का पिछले साल निधन हो गया था। ब्रिगेडियर सावंत अपनी आवाज से दृश्यों को रचने में माहिर थे। वे जब सारे वातावरण को सुनने वालों के सामने पेश करते थे तब सुनने वालों को लगता था कि वह भी गणतंत्र दिवस को राजपथ या लाल किले से देख रहे हैं। उनकी कमेंट्री कभी नीरस या बोझिल नहीं होती थी। माफ कीजिए, ब्रिगेडियर सावंत उन कमेंटेटरों में से नहीं थे जो यही बताते हैं कि राजपथ पर अब सेना के किस रेजीमेंट की टुकड़ी आ रही है या इसकी कमान किसके पास है। वे इससे कहीं आगे जाया करते थे। उन्हें सुनने के बाद श्रोता उनसे हमेशा के लिए जुड़ते थे। प्रख्यात समाचार वाचक देवकीनंदन पांडे कहते थे कि श्रेष्ठ कमेंटेटर की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो दर्शकों को आसानी से समझ में आए। उन्हें जटिल शब्दों और वाक्यों से बचना चाहिए। उन्हें शब्दों का सही उच्चारण करना चाहिए ताकि सुनने वालों को समझने में कोई दिक्कत न हो। इस लिहाज से ब्रिगेडियर सावंत बेजोड़ थे। वे एक ही तरह की भाषा का प्रयोग करने से बचते थे।

भाषा में लाते थे विविधता

वे आंखों देखा हाल सुनाते हुए अपनी भाषा में विविधता लाते थे और मुहावरों का प्रयोग करते थे। जब गणतंत्र दिवस परेड में सेना की टुकड़ियां कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) पर आनी शुरू होती थीं तब कमेंट्री की कमान ब्रिगेडियर सावंत के पास हुआ करती थीं। उसके बाद वे अपनी धीर-गंभीर आवाज में सेना की टुकड़ियों की उपलब्धियों, इतिहास, नायकों वगैरह पर बोला करते थे। सेना और देश की समरनीति पर उनकी जानकारी का कोई सानी नहीं था। याद नहीं आता कि ब्रिगेडियर सावंत ने कमेंट्री सुनाते नुक्ते के प्रयोग से लेकर शब्दों के उच्चारण में कभी कोई चूक की हो। उन्हें पता था कि कमेंटेटर को परेड को एक कहानी की तरह प्रस्तुत करना चाहिए, जिससे दर्शकों को खेल में रुचि बनी रहे। उनकी कमेंटरी सुनकर उनका दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बन जाता था।

चीनी भाषा के भी रहे विद्वान

वे भारत के स्वाधीनता आंदोलन के गहरे जानकार भी थे। उन्होंने कई बार स्वाधीनता समारोह की भी कमेंट्री की। वे चीनी भाषा के भी विद्वान थे। भारतीय सेना ने उन्हें 1962 में चीन से युद्ध के बाद चीनी भाषा को सीखने के लिए अमेरिका भेजा था। उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव सर्वोत्तम हुआ करता था। ब्रिगेडियर सावंत ने ख्वाबों में भी कभी नहीं सोचा था कि वे एक दिन-रेडियो कमेंट्री करेंगे। दरअसल सन 1934 में अयोध्या में जन्में ब्रिगेडियर सावंत इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटलेचर में एम.ए करने के बाद शिक्षक बन गए थे। दो साल तक पढ़ाया भी। पर उनका लक्ष्य तो सेना में नौकरी करने का था। सेना के अनुशासन और सैनिक की ड्रेस उन्हें बहुत प्रभावित करती थी। उन्हें शिक्षक रहते हुए इंडियन मिलिट्री एकाडमी (आईएमए) की परीक्षा को पास करने के बाद भारतीय सेना को ज्वाइन कर लिया। इस तरह उनका जीवन का जीवन का एक बड़ा सपना साकार हो गया। तीन साल के बाद वे 1962 में चीन के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहे थे। उसके बाद वे 1965 और 1971 के युद्ध में भी रणभूमि में दुश्मन के दांत खट्टे कर रहे थे। ब्रिगेडियर सावंत सेना में रहते हुए अपनी यूनिट के कार्यक्रमों का इंग्लिश और हिंदी में संचालन करते थे। उनका दोनों भाषाओं पर नियंत्रण दर्शकों को प्रभावित भी करता था। पर उन्होंने कभी कमेंटेटर के रूप में ख्याति पाने के बारे में सोचा नहीं था।

फौजी भाइयों का कार्यक्रम

हालांकि 1971 में आकाशवाणी ने भारतीय सेना पर एक कार्यक्रम शुरू किया। उसका नाम था ' फौजी भाइयों का कार्यक्रम'। उस कार्यक्रम को पेश करने के लिए सेना ने उनका नाम आकाशवाणी में भेजा। वहां पर रहते हुए वे मंजे हुए ब्राडकास्टर बन गए। दूरदर्शन शुरू हुआ तो उन्हें वहां भी सेना के कार्यक्रमों को संचान के लिए बुलाया जाने लगा। ब्रिगेडियर सावंत ने 1980 से 1997 तक लगातार दूरदर्शन के लिए गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया। बाद में कई प्राइवेट खबरिया चैनलों के लिए गणतंत्र दिवस की कमेंट्री सुनाते रहे। ब्रिगेडियर सावंत ने भारत छोड़ो आंदोलन और सेना से जुड़ी दर्जनों फिल्मों के लिए भी कमेंट्री की। बेशक, हरेक गणतंत्र दिवस पर ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत की समृद्ध करने वाली कमेंट्री याद आती रहेगी।

रणनीतिक रूप से अहम है इंडोनेशिया

गणतंत्र दिवस

अतिथि

स्वतंत्र पत्रकार

यह चौथा अवसर है, जब गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। पहली बार साल 1950 में जब भारत ने अपना पहला गणतंत्र दिवस मनाया था, उस वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति सुकर्णो भारत आए थे। 2011 में राष्ट्रपति डॉ. सुसीलो बामबंग व 2018 में जोको विडोडो को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया था। उस वक्त विडोडो के साथ दूसरे आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी भारत आए थे। अब 76वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर होने वाली भव्य परेड में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को आमंत्रित किया गया है।

आसियान देश के प्रति संजीदगी

सवाल यह है कि इस आसियान देश के प्रति भारत इतना संजीदा क्यों है। इंडोनेशिया 17 हजार से अधिक द्वीपों वाला विश्व का सबसे बड़ा द्वीपीय देश है। यहां दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। भारत और इंडोनेशिया में दो सहस्राब्दियों से घनिष्ट सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंध हैं। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर साझा संस्कृति, औपनिवेशिक इतिहास और स्वतंत्र विदेश नीति का एकीकृत प्रभाव है। 1945 में जिस वक्त इंडोनेशिया स्वतंत्र हुआ था भारत दुनिया का पहला ऐसा देश था जिसने इंडोनेशिया की स्वतंत्रता का समर्थन किया था। 1955 में बांडुंग में एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया का सहयोग और समर्थन किया। भारत की लुक ईस्ट नीति के लिए इंडोनेशिया अहम देश है। लेकिन इंडोनेशिया के अलावा दूसरे आसियान देश भी भारत की लुक ईस्ट नीति में किसी न किसी रूप में योगदान कर रहे हैं फिर इंडोनेशिया के प्रति भारत के झुकाव की वजह क्या है। दरअसल, भारत की एक्ट ईस्ट नीति में इंडोनेशिया का अपना एक अलग स्थान है। दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं।

रक्षा सहयोग समझौता

आर्थिक संबंधों से इतर दोनों देश 'समग्र रणनीतिक साझेदारी' पर भी फोकस कर रहे हैं। 2001 में भारत और इंडोनेशिया ने संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की स्थापना करते हुए एक रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति जोको विडोडो की यात्रा के दौरान दोनों देश नियमित सुरक्षा वार्ता के लिए सहमत हुए। 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेड किया।

दोनों देशों में आर्थिक साझेदारी

आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देश समान रूप से कदमताल कर रहे हैं। दोनों के बीच आर्थिक सहयोग पूरे आसियान क्षेत्र में सबसे ज्यादा है। साल 2023-24 के मध्य भारत और इंडोनेशिया के बीच 29.40 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। भारत ने यहां 1.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रखा है। ऊर्जा से लेकर तकनीक और रक्षा निर्माण तक दोनों देशों के बीच सहयोग की नई राह खुल रही है। इंडोनेशिया जी-20 का सदस्य है। वह उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले एक अन्य समूह (सीआईवीईटीएस) कोलंबिया, इंडोनेशिया,

वियतनाम, मिस्र, तुर्की और दक्षिण अफ्रीका का भी पूर्णकालिक सदस्य है। यही वजह है कि इंडोनेशिया को उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में ब्रिक्स देशों में शामिल किए जाने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है।

ब्रिक्स में होगा विश्वस्त सहयोगी

देर-सवेर अगर इंडोनेशिया की ब्रिक्स में एंट्री होती है तो रूस और दक्षिण अफ्रीका के बाद भारत को ब्रिक्स में एक और विश्वस्त सहयोगी मिल जाएगा। इतना ही नहीं, दक्षिण पूर्वी एशिया का सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने में इंडोनेशिया बड़ी भूमिका निभा सकता है।

इसके अलावा भारत और इंडोनेशिया दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान), पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईआआरए) के प्रमुख सदस्य हैं। इन संगठनों में रहते हुए दोनों देश हिंद प्रशांत क्षेत्र में और दक्षिण पूर्व एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण, आर्थिक सहयोग और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग कर रहे हैं। यह सहयोग समुद्री सहयोग को बढ़ाने, ब्लू इकोनॉमी और क्षेत्रीय भागीदारी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक सहयोगः आरसीईपी) को बढ़ाने में काफी अहम हो सकती है। दक्षिण चीन सागर में इंडोनेशिया का चीन के साथ विवाद है। ऐसे में साउथ चाइना सी में चीन को काउंटर करने के लिए इंडोनेशिया भारत का मददगार हो सकता है।

गुटनिरपेक्ष राष्ट्र है इंडोनेशिया

गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के तौर पर इंडोनेशिया किसी एक महाशक्ति के खेमे में नहीं रहा है। उसके चीन और पाकिस्तान के साथ भी अच्छे संबंध हैं। चीन उसके प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में शीर्ष स्थान रखता है। विदेशी निवेशक के रूप में यहां चीन की भूमिका लगातार बढ़ रही है। साल 2019 से 2024 की पहली तिमाही तक इंडोनेशिया में चीन का निवेश 30.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है। साल 2023 में चीन ने इंडोनेशिया में 21.7 अरब डॉलर के नए निवेश का वादा किया। यही वजह है कि पिछले साल अक्टूबर में सत्ता में आने के बाद प्रबोवो सबसे पहले चीन के दौरे पर गए थे।

ऐसे में इंडोनेशिया किसी भी सूरत में चीन की शर्त पर भारत के साथ किसी तरह के रक्षा गठबंधन की संभावना पर विचार करेगा, इसकी उम्मीद कम ही है। भारत दौरे से पहले इस तरह की खबरें आई थी कि प्रबोवो भारत यात्रा के तुरंत बाद पाकिस्तान जा सकते हैं। लेकिन भारत ने रणनीतिक सूझबूझ से उन्हें पाकिस्तान दौरा टालने के लिए राजी कर लिया। हालांकि, बहुत संभावित है कि राष्ट्रपति प्रबोवो की विदेश नीति अर्थशास्त्र आधारित कूटनीति नहीं होगी बल्कि वे वैश्विक मामलों में इंडोनेशिया की प्रभावी भूमिका निभाने की दिशा में काम करना चाहेंगे।

ब्रह्मोस मिसाइल पर बातचीत

अपने चुनाव अभियान के दौरान भी उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि इंडोनेशिया एक गुटनिरपेक्ष देश है और वो दूसरे देशों के साथ साझेदारी और दोस्ती कायम करना चाहता है। आर्थिक, सामरिक और रणनीति ऐसे कई क्षेत्र है जहां भारत इंडोनेशिया के साथ बेहतर सहयोग कर संबंधों को और अधिक मजबूत कर सकता है। प्रबोवो के वर्तमान दौरे में भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा समझौता होने की संभावना है। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति को लेकर दोनों के बीच बातचीत चल रही है। यह डील करीब 45 करोड़ डॉलर की हो सकती है। सच तो यह है कि भारत और इंडोनेशिया के लिए भविष्य में टू प्लस टू मीटिंग की मेजबानी की संभावना पर विचार करने का यह सही समय है। यही वजह है कि प्रबोवो के इस दौरे को भारत महत्वपूर्ण कूटनीतिक अवसर के तौर पर देख रहा है।

इबारत लिखने वालों को भुला नहीं पाएंगे

संविधान

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

यह विश्व के किसी भी देश का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान था। गणतंत्र-दिवस एवं संविधान की चर्चा के बीच उस शख्स की चर्चा भी होनी चाहिए, जिसने समूचा भारतीय संविधान अपने हाथ से लिखा और इसके लिए केवल कलमों, पैन व 'होल्डर' और 'निबों' की लागत के अलावा उसने एक पैसा भी परिश्रमिक नहीं लियाा।

इस शख्स रायजादा प्रेमबिहारी नारायण ने कांस्टीट्यूशन हाल (अब कांस्टीट्यूशन क्लब) के एक कमरे में बैठकर 'कैलिग्राफी' में हमारे करोड़ों देशवासियों के 'मुकद्दर' एवं अधिकारों की इबारत लिखी। इस काम के लिए उसने छह माह का समय लगाया। उसके लिए बरकिंघम से 'निब' मंगाए गए थे और कुल 251 पृष्ठों की इबारत 'कैलिग्राफी' के माध्यम से उकेरी गई थी। उसके साथ ही शांति निकेतन से प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और उसके कला-विषय के मेधावी छात्रों की मदद भी ली गई।

इनकी रही अहम भूमिका

उन कलाकरों ने इस जीवंत दस्तावेज के हर पृष्ठ की साज-सज्जा कलात्मक ढंग से प्रस्तुत की। कलाकार नंदलाल बोस को आधुनिक चित्रकला व प्राचीन संस्कृति से जुड़ी इबारत के अनुसार, कला पक्ष उकेरने में पूरी दक्षता हासिल थी। उसने वेदों, महाभारत और रामायण सरीखे प्राचीन ग्रंथों की छवि भी उभारी, साथ ही साथ महात्मा गांधी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनवृत्त से जुड़ी कुछ कलात्मक चित्रों/छवियों को भी उभारा। नेताजी, राष्ट्रध्वज को सैल्यूट की मुद्रा में दिखाए गए, जबकि 19वें अनुच्छेद में दांडी-मार्च के भी रेखाचित्र उकेरे गए। टीपू सुल्तान को भी एक पृष्ठ की सज्जा में स्थान मिला और सम्राट अशोक को भी एक महत्वपूर्ण पृष्ठ के कोनों पर चित्रात्मक स्थान दिया गया। एक ही समय में दो भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने दोनों हाथों से दोनों कलमों के द्वारा लिखने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे। महाराष्ट्र के मूलनिवासी बैरिस्टर डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष थे। भारतीय संविधान के ड्राफ्टमैन डॉ. वीएन राय, हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी रहे। वह भारतीय संविधान निर्माण के संवैधानिक सलाहकार थे। भारतीय संविधान का ड्राफ्ट तैयार करवाने की जिम्मेदारी जवाहर लाल नेहरू ने इन्हीं डॉ. वीएन राय को सौंपी थी। डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना की तर्ज पर ड्राफ्ट की थी। जैसे-अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना में 'हम अमेरिका के लोग' दर्ज हैं, वैसे ही डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के नागरिक' के स्थान पर 'हम भारत के लोग' दर्ज किया।

पूना से मंगवाया गया कागज

इस सारे कार्य के लिए सरकार ने डॉ. वीएन राय को 25 हजार रुपये पारिश्रमिक के रूप में दिए। भारतीय संविधान को लिखने के लिए हस्तनिर्मित कागज पूना से मंगवाया गया था। उस समय

भारतवर्ष में टाइपराइटिंग मशीन नहीं थी। उस समय भारत में प्रेमबिहारी नारायण रायजादा से अधिक योग्य विद्वान एवं स्वविवेकशील कैलीग्राफिस्ट कोई अन्य नहीं था। प्रेमबिहारी नारायण रायजादा ने भारतीय संविधान को हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में लिखने में 303 निब होल्डर कलम और 254 स्याही दवात का इस्तेमाल किया। भारतीय संविधान की 'मूलप्रति' के प्रत्येक पेज पर इनके कॉपीराइट के तहत इनका नाम तथा अंतिम पृष्ठ पर इनके नाम के साथ इनके दादाजी का नाम आज भी दर्ज हैं। ऐसा ही विलक्षण योगदान चित्रकार नन्दलाल बोस का था जो अजंता गुफाओं के भित्तिचित्रों से बहुत प्रभावित थे। वे शास्त्रीय भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की चाह रखने वाले कलाकारों और लेखकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह का हिस्सा बन गए थे। यह एक ऐसा समूह था जिसमें पहले से ही ओकाकुरा काकुज़ो, विलियम रोथेनस्टीन, योकोयामा ताइकन, क्रिस्टियाना हेरिंगम, लॉरेंस बिन्योन, अवनींद्र नाथ टैगोर और लंदन के आधुनिकतावादी मूर्तिकार एरिक गिल और जैकब एपस्टीन शामिल थे। 1930 में नमक पर ब्रिटिश कर का विरोध करने के लिए महात्मा गांधी की गिरफ्तारी के अवसर को चिह्नित करने के लिए, बोस ने गांधीजी की लाठी के साथ चलते हुए एक काले और सफेद लिनोकट प्रिंट बनाया। यह अहिंसक आंदोलन के लिए चर्चित एक प्रतिष्ठित छवि बन गई। 200 सौ साल की गुलामी के बाद भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में सामने कैसे आया? इसकी कहानी बहुत दिलचस्प है। ब्रिटिश हुकूमत के शासन के अंत के साथ ही ये सवाल सबसे बड़ा था कि इतने बड़े देश के शासन की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाए। आखिर वो कौन होगा जिसके हवाले पूरा देश होगा। आखिर कांग्रेस में वो कौन-कौन से नेता होंगे जिन्हें अंग्रेज देश चलाने की जिम्मेदारी देंगे। इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए 23 मार्च 1946 को कैबिनेट मिशन का एक दल दिल्ली पहुंचा। इस टीम में पैट्रिक लॉरेंस, सर स्टेफफोर्ड क्रिप्स और एबी एलेंजेंडर शामिल थे। इस दल ने सभी पक्षों से मिलकर बात की और 16 मई 1946 को ये कैबिनेट मिशन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि भारत की आजादी के बाद अंग्रेज भारत की सत्ता संविधान सभा को सौंप देंगे। इस संविधान सभा में कौन-कौन होगा, इसके लिए चुनाव होगा। ये भी तय हुआ कि संविधान सभा में कुल 389 सदस्य होंगे। 25 जून को कैबिनेट मिशन की सिफारिशों के तहत अंतरिम सरकार का गठन हुआ। संविधान सभा का मसौदा तैयार करने के लिए 7 सदस्यों की ड्राफ्टिंग कमेटी बनाई गई थी।

आंबेडकर ने तैयार किया ड्राफ्ट

इस ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. आंबेडकर थे। जब संविधान का ड्राफ्ट बनाने की बात आई, तो 7 सदस्यों में से सिर्फ आंबेडकर ही मौजूद थे। इस घटना का जिक्र ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य टी.टी कृष्णामचारी ने संविधान सभा में किया। टीटी कृष्णामाचारी ने नवंबर 1948 में संविधान सभा में कहा कि 'मृत्यु, बीमारी और अन्य व्यस्तताओं' की वजह से कमेटी के ज्यादातर सदस्यों ने मसौदा बनाने में पर्याप्त योगदान नहीं दिया।

इसके चलते संविधान तैयार करने का बोझ डॉ. आंबेडकर पर आ पड़ा। संविधान की सर्वसम्मति से स्वीकृति के मौके पर 25 नवंबर 1949 के उनके जिस ऐतिहासिक भाषण को बार-बार उद्धृत किया जाता है, उसमें उन्होंने कहा था कि जो श्रेय मुझे दिया गया है, इसका वास्तव में मैं ही अधिकारी नहीं हूं। उसके अधिकारी बेनेगल नरसिंह राव भी हैं, जो इस संविधान के संवैधानिक सलाहार हैं और जिन्होंने प्रारूप समित के विचारार्थ मोटे तौर पर संविधान का मसौदा बनाया। आंबेडकर ने करीब 100 दिनों तक संविधान सभा में खड़े होकर संविधान के पूरे ड्राफ्ट को धैर्यपूर्वक समझाया और हर एक सुझाव पर विमर्श किया।

जबलपुर

रविवार, 26 जनवरी 2025

माघ मास शुक्ल पक्ष -12

- वर्ष : 19, अंक : 262
- पृष्ठ : 4+4+4=12 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 29

न्यून. 10

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

संविधान गौरव दिवस पर ग्वालियर में आयोजित संगोष्ठी में बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कांग्रेस को 'संविधान बचाओ' नहीं बल्कि माफी यात्रा निकालनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीएम ने कहा कि खुद के खानदान को आगे बढ़ाकर नकली गांधी ने असली गांधी को मिटाने में पूरा जीवन लगा दिया। महात्मा गांधी का परिवार आज कहां है, किसको पता है?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने दल के नेताओं को भुलाने का काम किया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना करने वाले पं. मदनमोहन मालवीय हो या बाल गंगाधर तिलक, यह दोनों कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे, जिन्होंने तिरंगा लहराया, लेकिन आजादी के बाद पं. नेहरु ने जैसे ही सत्ता हासिल की, उन्होंने ऐसे महान नायकों का नाम मिटाने का अभियान चलाया। ऐसे नेताओं के साथ हिसाब चुकता किया। सुभाषचंद्र बोस ने भी चुनाव जीता और कांग्रेस अध्यक्ष बने, लेकिन उन्हें भी इस्तीफा देने को मजबूर किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल के साथ भी इसी तरह भेदभाव हुआ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर पहुंचे थे। वहां वे संविधान गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम व संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से परनाना की गलतियों की माफी मांगने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरु जी ने स्वार्थ और संकुचित मानसिकता के कारण बाबा साहेब आंबेडकर के साथ के साथ अन्याय किया।

कांग्रेस ने मिटाई असली गांधी की पहचान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की महू में 27 जनवरी को है जय बापू, जय भीम जय संविधान यात्रा

महू के दशहरा मैदान पर बनाए जाने वाले हेलिपेड की अनुमति सुरक्षा की दृष्टि से रद्द

बाबा साहेब आंबेडकर ने धारा 370 का विरोध किया था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धारा 370 का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसका विरोध किया था। इसीलिए डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की और बताया कि ये देशहित में नहीं है। उन्होंने कहा कि करीब 40 हजार अमर बलिदान जिनमें सेना, पुलिस के जवान और आम लोगों शामिल हैं।

27 को संविधान यात्रा में राहुल, प्रियंका एवं खरगे होंगे शामिल

महू में 27 जनवरी को कांग्रेस की जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा होने जा रही है। इस यात्रा में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष व सांसद राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। इसके साथ ही 4 मुख्यमंत्री, 200 विधायक, 20 सांसद, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के 31 सदस्य, सभी प्रदेशों के अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता शामिल होंगे। वेटरनरी कॉलेज में सभा के लिए तीन अलग-अलग डोम बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही हेलिपेड भी तैयार किए जा रहे हैं। लेकिन महू के दशहरा मैदान पर बनाए जाने वाले हेलिपेड की अनुमति सुरक्षा की दृष्टि से रद कर दी है।

कांग्रेस की महू यात्रा पर साधा निशाना

कांग्रेस आज बगुलाभगत के रुप में यात्रा निकाल रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें हमारा संविधान इतना पवित्र है। जब पीएम मोदी संसद में गए तो संविधान को शीश नवाकर पहुंचे। हमें अपने संविधान पर गर्व है। इसी के सहारे हम दोबारा धारा 370 हटाकर जम्मू कश्मीर को दोबारा देश की मुख्यधारा में लेकर आए। जबकि कांग्रेस ने इसी संविधान के साथ बेईमानी की। जब कोर्ट ने इंदिरा गांधी के खिलाफ फैसला दिया तो देश में आपातकाल लगा दिया।

कांग्रेस की महू यात्रा पर भाजपा का दांव एक लाख हितग्राहियों को देंगे हित लाभ

महू में 27 जनवरी को होने वाली कांग्रेस की संविधान बचाओं यात्रा को देखते हुए भाजपा ने नया दांव चल दिया। 27 जनवरी को ही सुबह 10 बजे इंदौर में सुपर कॉरिडोर के पास गांधी नगर चौराहे के समीप मैदान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक लाख हितग्राहियों को जनकल्याण योजनाओं के लाभ पत्र सौंपेगे। इंदौर में होने वाले इस आयोजन में धार व आसपास जिलों के हितग्राहियों को बुलाया जाएगा।

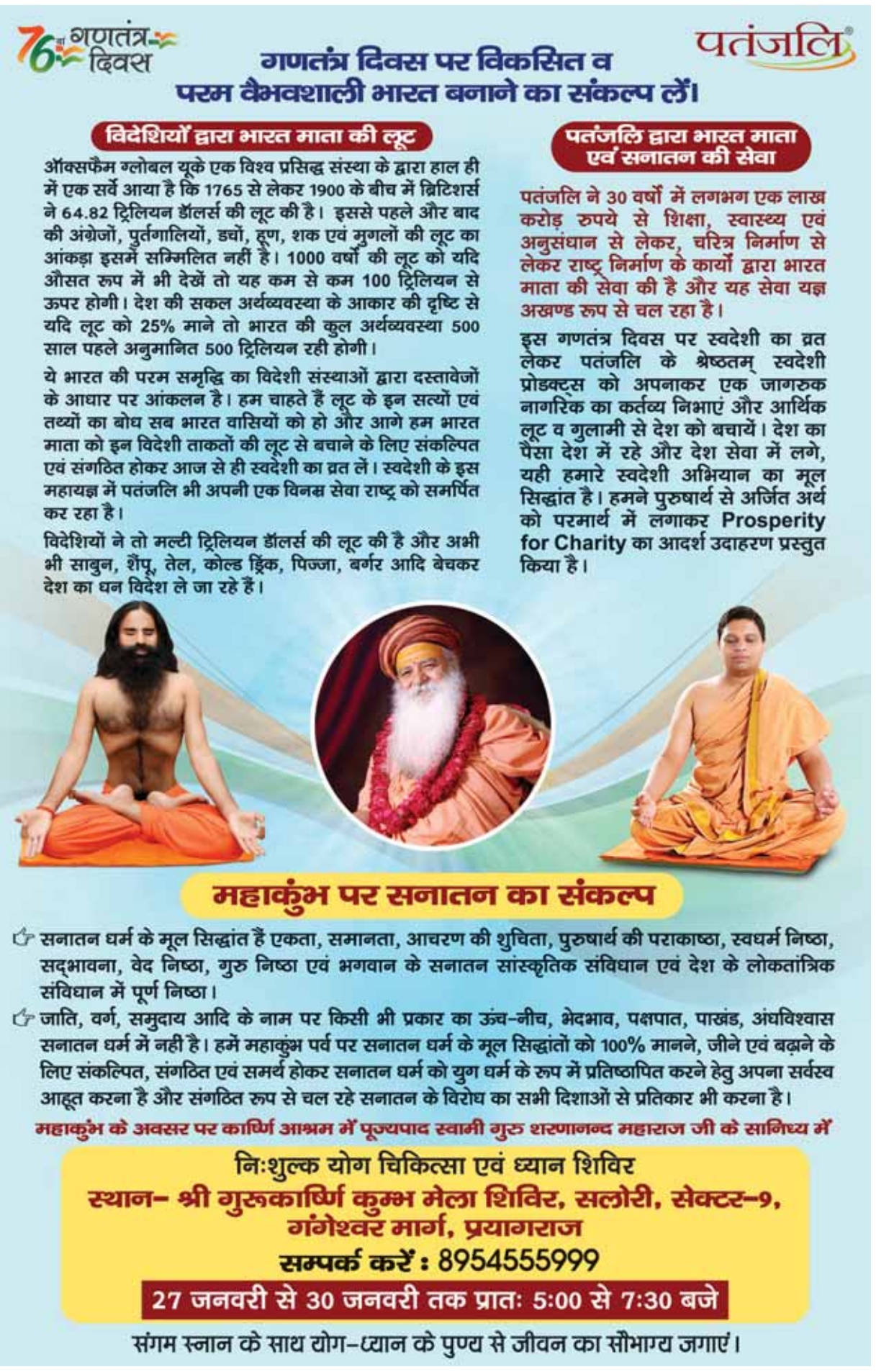

आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब, न्यूजीलैंड ने अमेरिका को हराया

एजेंसी ▶▶| बांगी

आस्ट्रेलिया ने शनिवार को वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश की ओर कदम रख दिया।

टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण चुनने वाली

आस्ट्रेलियाई टीम ने पावरप्ले में ही 16 रन पर तीन विकेट निकाल दिए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 16.3 ओवर में 53 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया के लिए एलीनोर लारोसा, काओइमे ब्रे और टेगान विलियमसन ने दो दो विकेट लिए। बारिश के कारण खेल बाधित होने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने 10.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान लूसी हैमिल्टन ने 29 गेंद में 28 रन बनाए। ग्रुप दो से सुपर सिक्स चरण के मैच में न्यूजीलैंड ने अमेरिका को 18 रन से हराया। लेग स्पिनर रिशिका जसवाल ने 14 रन देकर दो विकेट लिए।

न्यूजीलैंड को 97 रन पर आउट करने के बाद अमेरिकी टीम 79 रन ही बना सकी।

वर चाहिए

29 वर्षीया 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गोंड (ध्रुव) स्वशासी महाविद्यालय में गैस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिये

-सम्पर्क करें-
9424399425
7987467641

बौध्द वर चाहिए-गोरी, सुन्दर सुशील बौद्ध महाराष्ट्रीयन (महार) जन्म 1996, 5'-3" डॉक्टर (फिजियो थेरपिस्ट) कन्या हेतु सजातीय सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें- 887130 0333 (665)

वधु चाहिए

वधु चाहिए

ब्राह्मण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें

7587724442

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

(मध्यप्रदेश राज्य विश्वविद्यालय)
फोन-फैक्स कार्या. : 07682-244442
E-mail : mchhatrasaluniversity@gmail.com,Website : https://mcbu.ac.in
क्रमांक : 505/2025 छतरपुर, दिनांक : 25.01.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.) में E-Tender for the Service of Printing and E-Tender for Bar Code Answer Book हेतु MP Tender के माध्यम से Bid आमंत्रित की जा रही है।

S. No.	Tender ID	Name of Item	Last Date
01	2025_MCBU_398520_1	E-Tender for the Service of Printing	21 दिवस
02	2025_MCBU_398508_1	E-Tender for Bar Code Answer Book	21 दिवस

नोट : Bid से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं Bid Document के लिए MP Tender पर विजिट करें।
म.प्र. माध्यम/118517/2025 कुलसचिव

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी आर एम डब्ल्यू-जे.बी.पी.11-2025, दिनांकः 23.01.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** वरिष्ठ मंडल अभियंता (पश्चिम) जबलपुर के अंतर्गत दो विविध कार्यः- **भाग एः**-बीना-कटनी अनुभाग के टीएसएस/एसपी/एसएसपी में स्टोर सुविधाओं में सुधार का कार्य एवं जबलपुर मंडल के टीआरडी डिपो में वर्कशाप और पार्किंग शेड की सुविधाओं में उन्नयन का कार्य। (मझगवां फाटक टीएसएस, करहिया भदेली टीएसएस, मकरोनिया टीएसएस, बीना टीएसएस, गिरवर एसएसपी, जेरूवा खेड़ा एसएसपी, गणेशगंज एसएसपी, घटेरा एसएसपी, सागौनी एसएसपी, बर्धैरा एसएसपी)। **भाग बीः**-जबलपुर डिवीजन के दमोह एवं सागर सब डिवीजन में टीआरडी डिपो के लिए स्टोर रूम सुविधाओं का कार्य (जबलपुर डिवीजन के पिपरिया, नरसिंहपुर, कछपुरा, सिहोरा, कटनी, सतना, दमोह, सागर, कटनी मुरवारा, सरईग्राम, रीवा में टीआरडी डिपो के लिए स्टोर रूम सुविधाओं का पार्ट वर्क), **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹ 2,04,43,529/-, **बयाना राशि (रैं):** ₹ 2,52,200/-, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 18.02.2025, **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथिः** 18.02.2025, **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबन्धक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

JAYPEE GROUP

जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड की ओर से गणतंत्र दिवस–2025 की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्क्स कार्यालय अमिलिया		वर्क्स कार्यालय निगरी	
जे.पी. अमिलिया (नार्थ) कोल माइन्स		जे.पी. निगरी सुपर थर्मल पावर प्लांट	
ग्राम	– मझौली	ग्राम व पोस्ट	– निगरी
पोस्ट	– बंधा	तहसील	– सरई
तहसील	– देवसर	जिला	– सिंगरौली
जिला	– सिंगरौली	(म.प्र.)	– 486 669
(म.प्र.)	– 486 886		

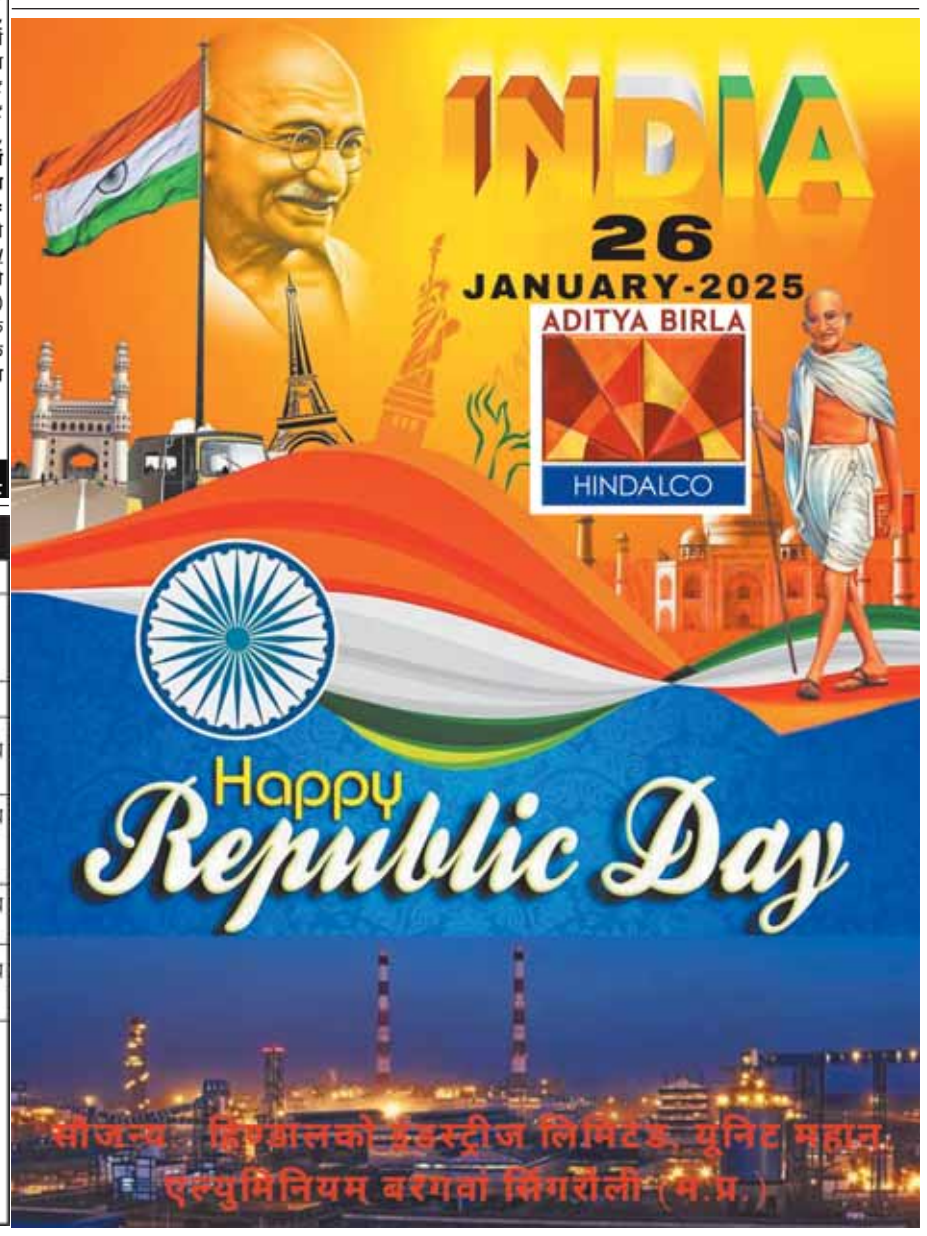

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सिविल लाईन नरसिंहपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं.- 02 /2025 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण / सः / सीई (बी) /- जबलपुर दिनांक 21.01.2025

सं. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएससी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाऋतु सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जायेगी।
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU_397645_1	वाणिज्य कर कार्यालय भवन जिला नरसिंहपुर हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने का कार्य।	नरसिंहपुर	23.85	47700.00	5000.00	01 (एक) माह वर्षाऋतु सहित)	कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि.वि. साउथ सिविल लाइन बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)
2	2025_PWPIU_397689_1	जोनल टेण्डर लोनिवि भवन कार्यालय नरसिंहपुर के अंतर्गत विभिन्न भवनो के रखरखाव एवं शेष कार्यों का निर्माण।	नरसिंहपुर	95.00	95000.00	10000.00	12 (बारह) माह वर्षाऋतु सहित)	कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि.वि. साउथ सिविल लाइन बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)
3	2025_PWPIU_397762_1	शासकीय हाई स्कूल भवन पैछई जिला नरसिंहपुर का निर्माण कार्य।	नरसिंहपुर	112.38	112380.00	12500.00	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित)	कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि.वि. साउथ सिविल लाइन बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)
4	2025_PWPIU_397777_1	शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन तेन्दूखेड़ा जिला नरसिंहपुर का निर्माण कार्य।	नरसिंहपुर	99.38	99380.00	10000.00	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित)	कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लो.नि.वि. साउथ सिविल लाइन बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

1- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर केडिट / डेबिट / कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
2- निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाईन दिनांक 23.01.2025 समय 9.00 से दिनांक 05.02.2025 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
3- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संधिन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाना।

G-22202/24

दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, नरसिंहपुर (म.प्र.)

देश का पहला राज्य बनेगा

उत्तराखंड में कल से लागू होगा यूसीसी का कानून

देहरादून। उत्तराखंड 27 जनवरी 2025 को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला आजाद भारत का पहला राज्य बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में तीन वर्षों की लगातार मेहनत और प्रक्रिया के बाद यह कानून अब मूर्त रूप लेने जा रहा है। राज्य मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा 24 जनवरी को जारी निर्देशों के अनुसार यूसीसी का आधिकारिक पोर्टल भी इसी दिन लॉन्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री सचिवालय में 27 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे यूसीसी पोर्टल का उद्घाटन किया जाएग। यह कदम राज्य में समान नागरिक संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री, उच्च अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सचिव शैलेश बगोली द्वारा जारी पत्र के अनुसार, सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने और इसे सफल बनाने के लिए निर्देशित किया गया है।

धामी ने एक बड़ी उपलब्धि बताया

उत्तराखंड सरकार ने यूसीसी लागू करने के लिए पिछले तीन वर्षों में कई स्तरों पर कार्य किया। इसके लिए विभिन्न विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया, जिनमें कानूनी विशेषज्ञ, समाजशास्त्री और प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। इन समितियों ने राज्य में कानून लागू करने के लिए आवश्यक मसौदा तैयार किया और इसकी व्यवहारिकता का परीक्षण किया. इससे पहले यूसीसी के वेब पोर्टल की दो बार मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई, जिससे लॉगिन संबंधित तकनीकी बाधाओं को दूर किया गया। 27 जनवरी को आम जनता के लिए सुलभ होगा। उत्तराखंड स स्वतंत्र भारत का पहला राज्य होगा। धामी ने इसे सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया है। यूसीसी से समाज में एकरूपता आएगी और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और दायित्व सुनिश्चित होंगे।

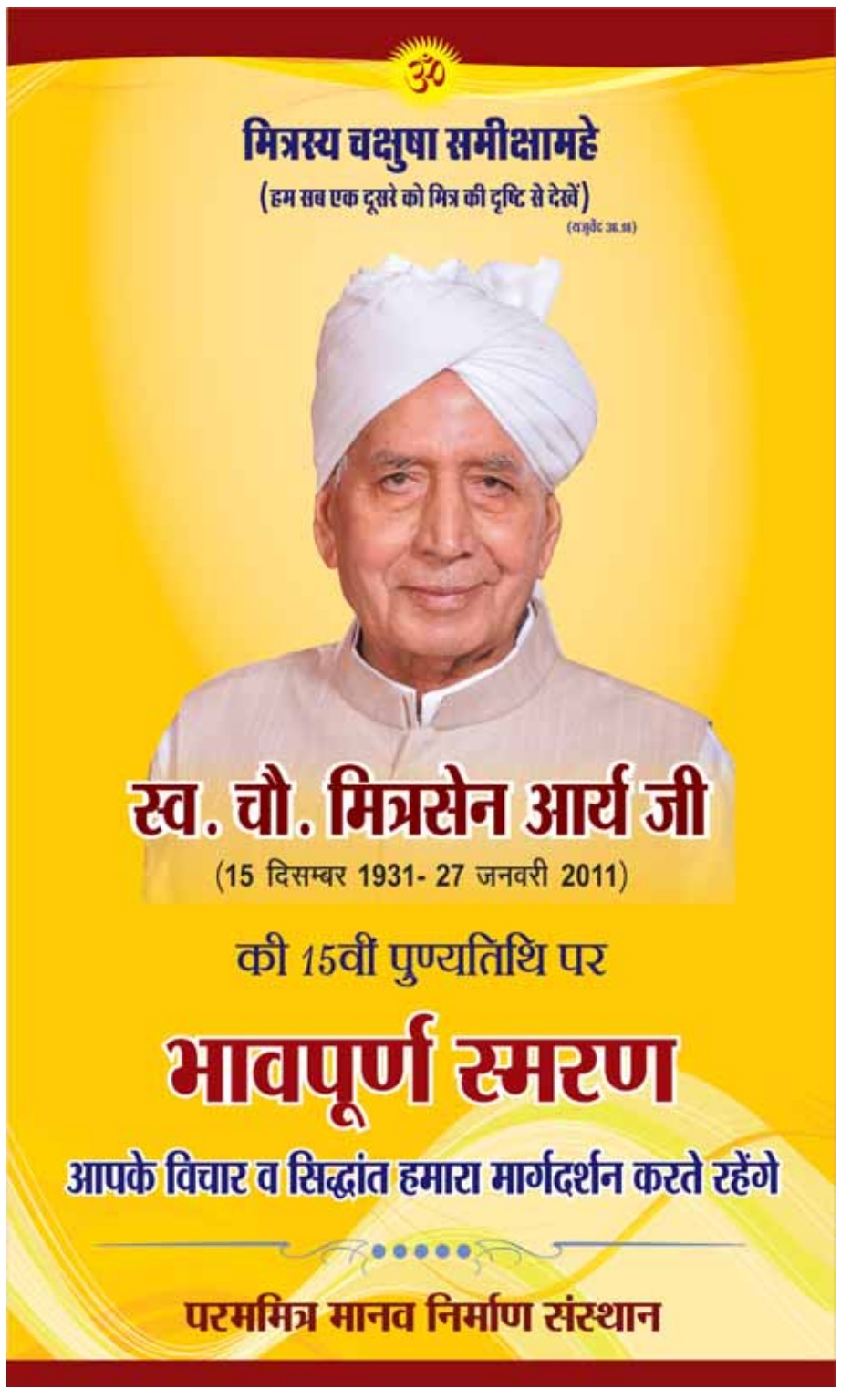

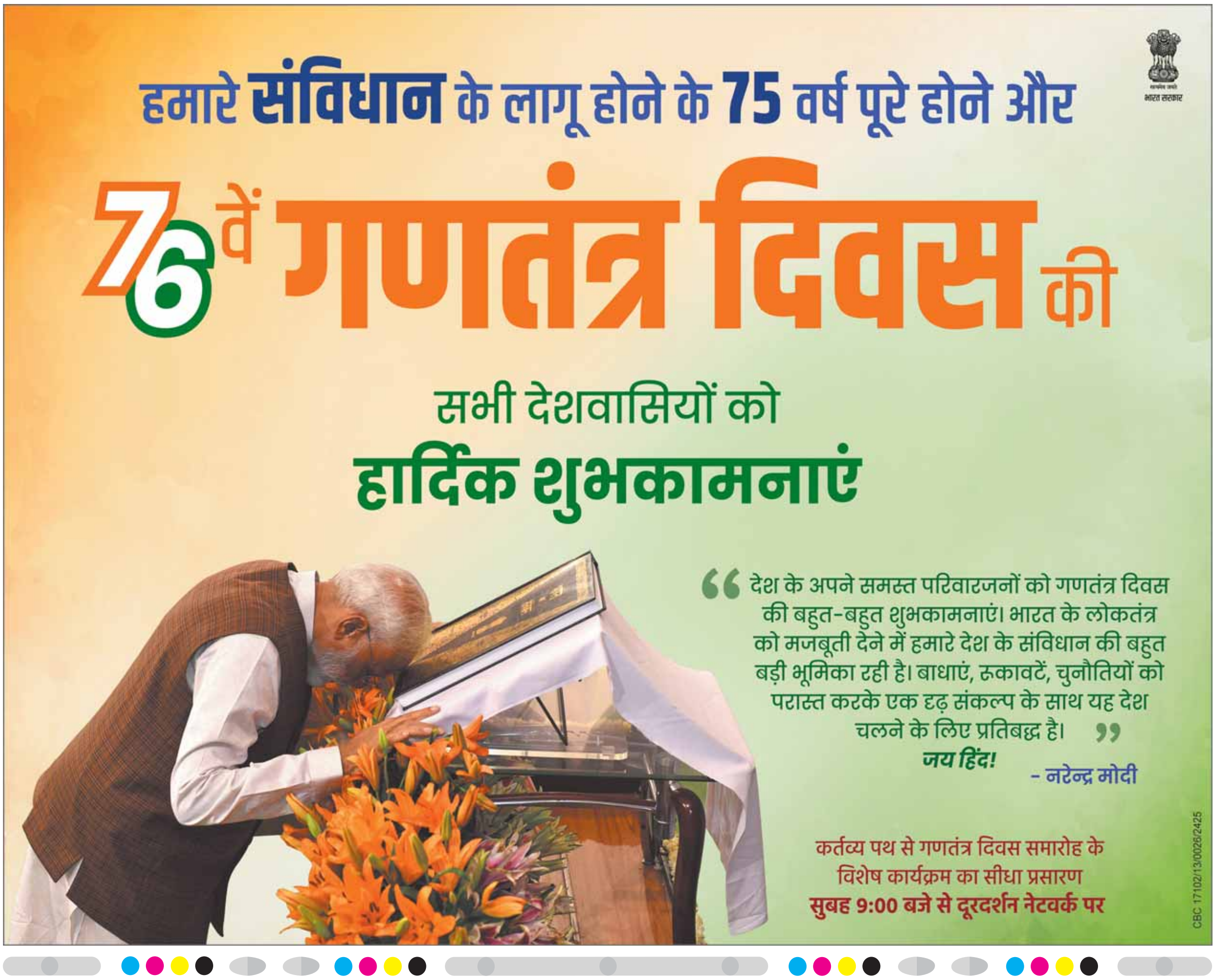

नर्सिंग काउंसिल के आफिस से सीसीटीवी फुटेज व दस्तावेज गायब होने का मामला

हाई कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर भोपाल व साइबर सेल को सौंपी जांच

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी व न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल की युगलपीठ ने नर्सिंग काउंसिल के आफिस से सीसीटीवी फुटेज और दस्तावेज गायब होने के मामले में सख्ती बरती है। इसके अंतर्गत पुलिस कमिनश्नर, भोपाल और साइबर सेल को जांच के निर्देश दे दिए हैं। उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है कि काउंसिल के कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज पुनः रिट्रीव करने हर संभव प्रयास करें। यदि आवश्यक लगे तो काउंसिल आफिस के आसपास लगे कैमरों की रिकार्डिंग देखकर पता लगाएं कि आफिस से क्या-क्या बाहर ले जाया गया है। साइबर सेल को तत्कालीन रजिस्ट्रार के मोबाइल फोन के टावर लोकेशन के बारे में भी जानकारी एकत्र करने के भी निर्देश दिए है। ऐसा इसलिए ताकि 13 से 19 दिसंबर, 2024 की अवधि के दौरान परिषद के कार्यालय में उनकी भौतिक उपलब्धता का पता चल सके। नर्सिंग फर्जीवाड़े मामले में ला स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की जनहित याचिका के साथ सभी अन्य नर्सिंग मामलों की सुनवाई हुई। विगत सुनवाई में हाई कोर्ट ने मप्र नर्सिंग काउंसिल आफिसर के 13 दिसंबर से 19 दिसंबर, 2024 तक की अवधि के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित कर बंद लिफाफे में पेश करने के निर्देश जारी किए गए थे। सुनवाई के दौरान हाइ कोर्ट में दस्तावेज पेश कर अवगत कराया गया कि काउंसिल से 11 से 16 दिसंबर के सीसीटीवी फुटेज गायब हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि हाई कोर्ट ने जब 12 दिसंबर को तत्कालीन रजिस्ट्रार को हटाने के आदेश दिए थे उसके बाद उनके द्वारा अपने कार्यकाल में की गई अनियमितताओं से संबंधित फाइलें 14 दिसंबर को गायब की गई हैं और सहयोगियों के साथ मिलकर सीसीटीवी फुटेज भी डिलीट किए गए हैं।

याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में आवेदन पेश कर तत्कालीन रजिस्ट्रार अनीता चांद पर यह भी आरोप लगाया है कि उनके द्वारा ग्वालियर के अनेकों ऐसे नर्सिंग कालेजों के सत्र 2022-23 के छात्रों के नामांकन अवैध रूप से जारी किए गए हैं। जिन कालेजों की सीबीआई जांच रिपोर्ट में सत्र 2022-23 में एक भी छात्र प्रवेश लेना नहीं पाए गए हैं, लेकिन उसके बावजूद तत्कालीन रजिस्ट्रार द्वारा कालेजों से मिलीभगत कर सीबीआइ रिपोर्ट को दरकिनार कर बैकडेट पर फर्जी तरीके से प्रवेशित दर्शाए गए छात्रों के इनरोलमेंट के लिए पोर्टल खोला गया। हाई कोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल को एनरोलमेंट संबंधी फाइलें में पेश करने के निर्देश भी दिए हैं।

एक व्यक्ति के 3 बैंक खातों से सवा लाख पार

जबलपुर। शहपुरा थानांतर्गत रमखिरिया निवासी एक व्यक्ति के 3 बैंक खातों से 1 लाख 16 हजार 9 सौ 36 रुपए निकालने वाले आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार इस मामले में थाना शहपुरा में ग्राम रमखिरिया निवासी 33 वर्षीय धर्मेन्द्र प्रताप सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम रमखिरिया ने लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके एचडीएफसी बैंक शाखा धनवंतरी नगर नगर, पंजाब नेशनल बैंक शाखा शहपुरा भिटौनी, इंडियन बैंक शाखा शहपुरा भिटोनी मे 3 खाते हैं और तीनों खातों से 19 दिसंबर 2024 को रात लगभग 8 बजे कुल 1 लाख 16 हजार 936 रूपये निकाल लिये गये। लिखित शिकायत पर रूपये निकालने वाले आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया।

19 मार्च को होने वाले पेपर अब 22 मार्च को होंगे

एमपी बोर्डः दसवीं-बारहवीं की परीक्षा तिथि में किया संशोधन

हरिभूमि, जबलपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा (नियमित/स्वाध्यायी) वर्ष-2025 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया है।

मंडल द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा (नियमित/स्वाध्यायी) वर्ष 2025 का परीक्षा कार्यक्रम पूर्व में प्रसारित किया गया था, जिसमें हाईस्कूल परीक्षा कार्यक्रम में 19 मार्च 2025 को आयोजित विज्ञान विषय की परीक्षा अब 21 मार्च 2025 दिन शुक्रवार को आयोजित की जाएगी। वहीं हायर सेकंडरी परीक्षा की 19 मार्च 2025 दिन बुधवार को आयोजित एनएसक्यूएफ (नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क) के समस्त विषय एवं शारीरिक शिक्षा की परीक्षा 21 मार्च 2025 दिन शुक्रवार को आयोजित की जाएगी। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम मण्डल की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

सर्द हवाओं से बढ़ी ठंडक तापमान में आंशिक गिरावट

जबलपुर।

दिन में तेज धूप होने के कारण सर्दी से राहत है। लेकिन सूर्यास्त के बाद सर्दी फिर जोर पकड़ लेती है, हालांकि तापमान में आंशिक उछाल आया है। लेकिन हवाओं की ठण्ड अभी बरकरार है। ठंड अभी शबाब पर है। कंपकपा देने वाली ठंडी हवाएं अभी भी अपना प्रभाव छोड़ रही है। कल भी पारा सामान्य से 1 डिग्री नीचे था, लेकिन ठंडी हवाओं ने लोगों को धमाकेदार ठंड का अहसास कराया। पूरे समय लोग गर्म वस्त्रों के सहारे ठण्ड से अपना बचाव करते रहे और रात में अलाव की आवश्यकता भी महसूस हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 24.03 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया , न्यूनतम तापमान 10.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 74 प्रतिशत सायं काल 44 प्रतिशत आंकी गई। प्रदेश सबसे कम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस नीमच में रहा। उत्तर पूर्वी हवाएं 1 से 2 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 23.05 और न्यूनतम तापमान 06.04 डिग्री दर्ज किया गया था। सूर्योदय 6.52 बजे और सूर्यास्त 5.54 बजे हुआ।

गोलीकांड के आरोपित को जमानत नहीं

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश चन्द्रसेन मुवेल की अदालत ने गोलीकांड के आरोपित रामपुर छापर निवासी अनुज सोनी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कुक्कू दत्त ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपित ने अपने साथी के साथ मिलकर कोहराम मचाया था। उसने बंदूक से फायर किया। इस वजह से दीनू डोंगरे के दाहिने कंधे में गोली लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यदि गोली किसी और अंग में लगती तो जान जा सकती थी। इस तरह के खतरनाक आरोपित को जमानत का लाभ नहीं दिया जाना चाएि। जमानत देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। अदालत ने तर्क से सहमत होकर जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्री RNI No. : MPHIN/2008/24240

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

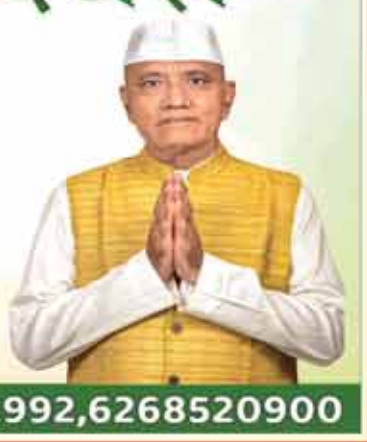

पांच साल में करीब 38 मजदूरों की दर्दनाक मौत !

मरते मजदूर, मुनाफा कमाते ठेकेदार, मूक दर्शक प्रशासन

मजबूरी होती है कि आज रात में घर में क्या खाएंगे. इस मजबूरी का फायदा ठेकेदार उठाते हैं. मजदूरों की आधे अधूरे संसाधन के साथ निर्माण कार्य में खड़ा कर देते हैं. नतीजा मजदूर मरते हैं, मजदूर घायल होते हैं, मजदूर अपाहिज होते हैं. चार दिन हंगामा होता है, जिला प्रशासन जांच बैठाता है. फिर सब पुराने ढर्रे पर लौट जाता है।

हरिभूमि जबलपुर।

जिले में केमतानी ग्रुप की फाईव स्टार होटल से लेकर वेलकम होटल ब्लास्ट तक, सिहोरा खदान में हुये हादसे से लेकर गत दिवस पापूलर ब्रेड फैक्ट्री तक हादसों की फेहरिस्त लम्बी है. इस लिस्ट में जो एक बात कामन है, वो यह की मजदूरों की दर्दनाक मौत और किसी ठेकेदार या मालिक पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई. अनुमान के मुताबिक बीते पांच सालों में जबलपुर जिले में निर्माण कार्यों, खदानों, विद्युत लाइन मेंटीनेंस, फैक्ट्रीयों में कार्य आदि के समय करीब 38 मजदूरों की मौत हुई है, वहीं 90 के करीब घायल हुये हैं. खौफनाक आंकड़ों के बाद भी आज तक प्रशासन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है. नतीजा सामने है मजदूरों की दर्दनाक मौतों का सलिसला जारी है।

खजरी मामले में अब तक नहीं मिली लाश

फैक्ट्री में लापरवाही के मामले में खजरी रजा मेटल्स में हुआ ब्लास्ट अपनी तरह का

पहला मामला था. जिसमें दो मजदूरों की मौत हुई थी, एक मजदूर की लाश के चीथड़े मिले लेकिन दूसरे मजदूर का चीथड़ा भी अंतिम संस्कार के लिये घर वालों को नहीं मिला. यहां भी मजदूरों से बिना सुरक्षा घातक बमों के कबाड़ का काम कराया जा रहा था. इस मामले में जांच और कार्यवाही दोनों आज तक अधूरी है. घटना के बाद कबाड़ खानों की जांच शुरु हुई, लेकिन वो भी खानापूर्ति साबित हुई और एक हफ्ते में ही सब पुराने ढर्रे पर लौट गया.

पापूलर फैक्ट्री मामले में ठेकेदार पर अरोप

गत दिवस गोराबाजार थाना क्षेत्र के तिलहरी में एक निर्माण कार्य के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक मजदूर की दो टुकड़े में कटकर मौत हो गई थी। वहां भी ठेकेदार की मनमानी सामने आई है. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसे के वक्त फैक्ट्री संचालक ऋषभ केशवानी इंदौर में थे, और उन्होंने यह काम ठेकेदार आयूब खान को सौंपा था। गौरतलब है की गुरुवार सुबह पापुलर ब्रेड की फैक्ट्री के पुराने भवन को तोड़ने का काम चल रहा था। इसी दौरान मंडला निवासी मजदूर भूरेलाल विश्वकर्मा लेंटर तोड़ते हुए अचानक नीचे गिर पड़े और किसी बीम या अन्य संरचनात्मक तत्व में फंसकर उनका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोप लग रहे हैं कि ठेकेदार ने काम के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की थी, जिसके कारण यह भयानक हादसा हुआ। घटना के बाद पुलिस ने फैक्ट्री संचालक ऋषभ केशवानी को बयान के लिए तलब किया है और ठेकेदार आयूब खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की योजना बनाई जा रही है।

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन आयोग से मांगा जवाब

सही उत्तर होने के बावजूद उसके नंबर क्यों नहीं दिए

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने कर्मचारी चयन आयोग से पूछा है कि सही उत्तर होने के बावजूद उसके नंबर क्यों नहीं दिए गए। बालाघाट निवासी हर्षल की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा आयोजित आईटीआई ट्रेनिंग आफिसर के पद के हेतु परीक्षा दी थी। रिजल्ट आने पर उसे पता चला कि उसे कट आफ मार्क्स से एक नंबर कम अंक मिले हैं। जब उसने वेबसाइट पर अपलोड उत्तर को देखा तो उसे पता चला कि प्रश्न क्रमांक 24 का सही उत्तर दिया है। याचिकाकर्ता एक अंक प्राप्त करने का अधिकारी है। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने आयोग व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय में पौधारोपण किया

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने शनिवार को जिला न्यायालय भवन, कटनी में पौधारोपण किया। मुख्य न्यायमूर्ति कैत की पत्नी सरोज बाला कैत ने भी पौधा रोपा। मुख्य न्यायमूर्ति कैत ने कहा कि वृक्षारोपण का सिलसिला जारी रहना चाहिए। यह पर्यावरण को शुद्ध रखने, जलवायु संतुलन, मिट्टी और जल संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्तवपूर्ण है। वृक्षारोपण हमारी पृथ्वी और भविष्य की पीढ़ियों के लिये आवश्यक है। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कटनी जितेन्द्र कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज कटनी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय कटनी तथा अन्य न्यायिक अधिकारीगण व अधिवक्तागण भी उपस्थित थे।

भेड़ाघाट का बहुचर्चित प्रकरण

पिता और दो पुत्रों सहित 5 को उम्रकैद

जबलपुर। विशेष न्यायाधीश गिरीश दीक्षित की अदालत ने हत्या के आरोपित जबलपुर निवासी कल्लू पटेल व उसके पुत्र शुभम उर्फ शिव और सत्यम पटेल के अलावा नीलेश पटेल, राहुल पटेल का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ सभी को आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्णा प्रजापति ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि भेड़ाघाट थानातंर्गत ग्राम पथरौरी निवासी अनुसूचित जाति वर्ग के परिवार के सदस्यों पर 11 जून, 2022 की शाम को जानलेवा हमला हुआ था। उक्त हमले में करन की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई दौरान आरोपित भगवती बाई के विरुद्ध आरोप साबित न होने पर अदालत ने उसे दोषमुक्त करते हुए शेष आरोपितों को सजा सुना दी।

पत्थर पटककर हत्या पर आजीवन कारावास

जबलपुर। प्रधान सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी की अदालत ने चाकू से हमला करने के बाद पत्थर पटक कर हत्या करने के आरोपित जबलपुर निवासी अमरदीप चौधरी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्णगोपाल तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि रांझी थानांतर्गत 25 जुलाई, 2022 को सुबह नौ बजे मरघटाई के पास आरोपित अमरदीप चौधरी और मृतक संतोष वंशकार शराब पी रहे थे। इसी दौरान हुए विवाद पर संतोष वंशकार को अमरदीप चौधरी, उसके चाचा अर्जुन चौधरी आदि मारने लगे। आरोपित अमरदीप ने संतोष के सिर और गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। इसके बाद संतोष के सिर पर पत्थर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान पेश किए गए गवाह व साक्ष्यों को मद्देनजर अदालत ने दोष साबित पाते हुए सजा सुना दी।

नशीला सीरप बेचने के आरोपित को जमानत नहीं

जबलपुर। एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश शशिभूषण शर्मा की अदालत ने नशीला सीरप बेचने के आरोपित घमापुर निवासी विनोद कुमार कोरी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक अरविंद जैन ने जमानत अर्जी का विरोधि किया। उन्होंने दलील दी कि आरोपित के विरुद्ध गंभीर प्रकृति का आरोप है। इस तरह के मामले में जमानत का लाभ देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। लार्डगंज पुलिस ने 23 नवंबर, 2024 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपित के कब्जे से नशीले सीरप की खेप बरामद की थी। इसी के साथ अपराध कायम कर लिया गया। आरोपित तभी से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद है।

बाल अधिकार एवं विधिक सेवा गतिविधि अंतर्गत हुई चित्रकला प्रतियोगिता

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का आयोजन

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना-2024 के अंतर्गत बाल अधिकार एवं विधिक सेवा संबंधी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किए जाने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्राधिकरण कार्यालय, हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति, राज्य न्यायिक अकादमी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों के नर्सरी से कक्षा 12 वीं तक अध्ययनरत बालक-बालिकाओं द्वारा भाग लिया गया। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण संरक्षण, बाल अधिकार एवं विधिक सेवा थे। उक्त विषयों पर बालक-बालिकाओं द्वारा चित्र बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में तीन श्रेणियों प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर में से प्रत्येक स्तर पर बालक-बालिकाओं द्वारा बनाई गई प्रथम तीन सर्वश्रेष्ठ ड्राईंग को गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, मुख्य संरक्षक मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व कार्यपालक अध्यक्ष प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं को ड्राईंग शीट, कलर राज्य प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए। समापन अवसर पर प्रदीप मित्तल, सदस्य सचिव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया गया। अनिरूद्ध जैन, उप सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी, प्रदीप सिंह ठाकुर, दिग्विजय सिंह व सर्वेश चतुर्वेदी उपस्थित रहें।

घाट फेस्टिवल घोटाले में मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों की जांच की मांग

जबलपुर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने घाट महोत्सव के दौरान आम जनता से किए गए कथित लूट की जांच की मांग की है। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा कि शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) और नगर पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी है। इस शिकायत में घाट महोत्सव आयोजन से जुड़े भ्रष्टाचार का आरोप पर्यटन विभाग के बड़े अधिकारियों पर लगाया गया है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर उच्च स्तरीय जांच नहीं की जाती तो वे मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के होटलों और दफ्तरों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान दिनेश यादव, अमरीष मिश्रा, अतुल बाजपेयी, सतेन्द्र चैबे,

गुड्डु नबी, गुलाम हुसैन, डिक्की जोन, आदि उपस्थित रहे। कांग्रेस का आरोप है कि पर्यटन विभाग ने साइन क्राफ्ट के मालिक राहुल मिश्रा को टिकट बेचने की जिम्मेदारी दी, जबकि असली घोटाला विभाग के अधिकारियों ने मिलकर किया। शिकायत में यह कहा गया है कि राहुल मिश्रा को एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया गया, ताकि अगर घोटाले का खुलासा हो तो आरोप केवल उन्हीं पर मढ़ा जा सके। पार्टी ने यह भी कहा कि विभाग के अधिकारियों ने जानबूझकर मिश्रा को खुली छूट दी थी, ताकि वह टिकटों की बिक्री से पैसा इकट्ठा कर सके। ईओडब्ल्यू अधिकारियों ने भी प्रारंभिक जांच में यह पाया कि पर्यटन विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता का संदेह है।

शहपुरा में युवक और रांझी में वृद्ध धोखाधड़ी का शिकार

क्रेडिट कार्ड अपडेट कराने के नाम पर 76 हजार की ठगी

जबलपुर।

शहपुरा थाना अतंर्गत एक युवक के साथ सायबर जालसाज ने क्रेडिट कार्ड अपडेट के नाम पर मोबाइल पर लिंक भेजी और क्लिक करने को कहा। लिंक क्लिक करते ही खाते से 76 हजार 986 रुपए निकल गए। इसी तरह रांझी में एक वृद्ध के बैंक खाते से अज्ञात जालसाज ने 16 हजार 167 रुपए निकाल लिए।

शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहपुरा निवासी 35 वर्षीय राजेंद्र कुमार मेहरा के मोबाइल पर एक मैसेज लिंक आई उसके बाद जालसाज ने फोन किया और कहा कि उसका क्रेडिट कार्ड अपडेट करना है। इसलिए भेजी लिंक पर क्लिक करे तो कार्ड एक्टिव हो जाएगा। उसने लिंक क्लिक की तो कुछ देर बाद उसके आईसीआईसीआई बैंक खाते से 76 हजार 986 रुपए खाते से निकल गए।

वृद्ध के खाते से पेंशन उड़ाई

इसी तरह रांझी व्हीकल निवासी एक वृद्ध की पेंशन खाते से किसी ने धोखाधड़ी कर तीन बार में 10 हजार 167 रुपए निकाल लिए। रांझी पुलिस के मुताबिक 65 वर्षीय गया प्रसाद तिवारी ने थाने में लिखित शिकायत की, कि उसका व्हीकल फैक्ट्री स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा मे पेंशन खाता है। गत 9 मई 2024 को उसके खाते से 16 हजार 167 रूपये 70 पैसे तीन बार मे निकाल लिये गये हैं। गत 15 मई 2024 को उसके मोबाइल पर कई एसएमएस ओटीपी के साथ आये थे जो सभी मोबीक्विक के थे उसने कोई छेड़छाड़ नही किया और सीधे बैंक गया और बैंक वालों को जानकारी दी तथा खाता चैक कराया तो पता चला कि उसके खाते से 1 हजार रूपये, 5 हजार रूपये, कुल 6 हजार रूपये खाते से मोबीक्विक के द्वारा ई-कम में क्रेडिट किये गये हैं इस प्रकार उसके खाते से कुल 16 हजार 167 रूपये अनाधिकृत रूप से निकाल लिये गये है। प्रारम्भ मे जिस व्यक्ति ने उससे बात की थी उस व्यक्ति का मोबाइल नम्बर अभी चालू है और बंगाली भाषा अनाउसिंस करता है जिसका कहना है कि वह नोयडा मे एक बैंक अधिकारी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध धारा 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

प्राथमिकता के विषयों में तत्परता से कार्य करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व महाअभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नक्शा बटांकन, आधार से आरओआर लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, और आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की।

कलेक्टर सक्सेना ने एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व महाअभियान के तहत सभी कार्यों में तेजी लायी जाये। उन्होंने कहा कि इसमें लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सीएम हेल्पलाईन से जुड़े प्रकरणों को गंभीरता से हल करने की बात की, ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने धारणाधिकार के प्रकरणों की भी

समीक्षा की और धान उपार्जन के भुगतान की निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गेहूं उपार्जन के पंजीयन की प्रक्रिया को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा, खासकर सिकमीनामा के पंजीयन पर ध्यान देने की बात की। कलेक्टर सक्सेना ने राजस्व अधिकारियों से प्राथमिकता वाले मामलों में तत्परता से काम करने की अपील की और सीएम हेल्पलाईन, आधार से आरओआर लिंकिंग, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों तथा राजस्व महाअभियान से जुड़े कार्यों का निराकरण सुनिश्चित करने की बात की। उन्होंने पटवारियों को अपने दायित्वों को समझते हुए अपने हल्के में रहकर काम करने की सलाह दी। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि शासकीय कार्यों में लापरवाही करने वाले पटवारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, नाथूराम गौड़ और अन्य राजस्व अधिकारी भी उपस्थित थे।

सिहोरा में आज जगह-जगह फहराया जायेगा तिरंगा

सिहोरा। गणतंत्र दिवस समारोह आज नगर में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया जाएगा तथा इस अवसर पर जगह जगह ध्वाजारोहण भी किया जायेगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नगर की समस्त शासकीय भवनों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है। गणतंत्र दिवस पर जनपद पंचायत सिहोरा में जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, नगर पालिका में अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे द्वारा ध्वाजारोहण किया जायेगा इसके अलावा तहसील कार्यालय,विधायक कार्यालय,वन परिक्षेत्र सिहोरा,उप पंजीयक कार्यालय,कृषि विभाग कार्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर, शिक्षा प्रचारक समिति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अलावा नगर की समस्त शासकीय,अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं,कार्यालयों में गणतंत्र दिवस पर बच्चों द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्वर्गीय अरूणाभ घोष मेमोरियल स्टेडियम में प्रातः9 बजे से रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री जनपद अध्यक्ष के मुख्यातिथ्य की उपस्थिति में आयोजित किया गया है।जिसमें ध्वजारोहण के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कुलों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जायेंगे।

श्री अनिल लाम्बा- दीक्षित काम्पलेक्स रामपुर बंदरिया तिराहा के पास निवासी श्री अनिल लाम्बा (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजकुमार विश्वकर्मा- बेलबाग थाने के पास निवासी श्री राजकुमार विश्वकर्मा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ज्ञानवती शर्मा- गोरखपुर आजाद चौक निवासी श्री पंचम लाल शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती ज्ञानवती शर्मा (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंतो बाई अहिरवार- सिद्धनगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री तेजीलाल अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती चंतो बाई अहिरवार (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगजीत सिंह मरवाहा- मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री जगजीत सिंह मरवाहा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री अरूण ठाकुर- गली नं. 4, त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री अरूण ठाकुर (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्रीचंद पाहूजा- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री श्रीचंद पाहूजा (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज बाई बिरहा- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लल्लू राम बिरहा की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज बाई बिरहा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रवीण अग्रवाल- नेहरू नगर बाजनामठ मेडिकल निवासी श्री प्रवीण अग्रवाल (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री बाई ताम्रकार- सुहागी पुरानी बस्ती निवासी श्री श्याम लाल ताम्रकार की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री बाई ताम्रकार (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रिंकेश अग्रवाल- मांडवा रामपुर निवासी श्री संतोष अग्रवाल के पुत्र श्री रिंकेश अग्रवाल (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री छोटे लाल गुप्ता- बेलबाग रोड निवासी श्री छोटे लाल गुप्ता (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आनंदी देवी आर्या- पटेल नगर महाराजपुर निवासी श्री आशाराम आर्या की धर्मपत्नी श्रीमती आनंदी देवी आर्या (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई बिरहा- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री रमेश बिरहा की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई बिरहा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कांति बाई पांडे- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री राम रतन पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती कांति बाई पांडे (101) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गुलशन बाई वाल्मीक- सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री ऊदल वाल्मीक की धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन बाई वाल्मीक (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री आकाश सिंह राजपूत- कालीमठ सुदामा नगर मदनमहल निवासी श्री दीप सिंह राजपूत के पुत्र श्री आकाश सिंह राजपूत (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई मेहतो- कांचघर मप्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री मोहन लाल मेहतो की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई मेहतो (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लालमन गुप्ता- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री लालमन गुप्ता (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश प्रसाद अहिरवार- सिद्धनगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री महेश प्रसाद अहिरवार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बेड़ी लाल कुशवाहा- कुंडम निवासी श्री बेड़ी लाल कुशवाहा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र राजभर- सेठ गोविंददास वार्ड लालमाटी निवासी श्री राजेंद्र राजभर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

सिद्ध धाम मे मेले का आयोजन आज

मझौली। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी रानीताल काटाव मझौली सिद्ध धाम मे मेले का आयोजन 26 जनवरी दिन रविवार से किया जा रहा है। मेले का आयोजन श्री श्री 1008 मृगनाथ दादा जी महाराज के आशीर्वाद से किया जाता है यहां पर पहाड़ी के ऊपर दादाजी का स्थान बना हुआ है चढ़ने के लिए लगभग 500 सीढ़ी बनी हुई। यहां पर आने वाले भक्तों की यह मानता है जो भी यहां आता है उनसे जो भी मनोकामना करता है वह पूरी होती है।

गणतंत्र दिवस विशेष

समृद्ध विरासत से प्रेरित होकर फिर बनेगा स्वर्णिम भारत

आज पूरा भारत देश, हर देशवासी गर्व और उत्साह-उमंग के साथ 76वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मना रहा है। यह पर्व भरपूर उल्लास से हम जरूर मनाएं, लेकिन साथ ही हम सब इस बात पर भी जरूर विचार करें कि किस तरह हमारा भारत देश फिर से अतीत के स्वर्णिम स्वरूप को प्राप्त कर सकता है? देश की भव्य विरासत और विविधरंगी कला-संस्कृति की धरोहर से प्रेरित होकर आज हम सब भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प जरूर लें।

आवरण कथा
शाहिद ए चौधरी

आज मनाए जा रहे अपने देश भारत के 76वें गणतंत्र दिवस का थीम है- 'स्वर्णिम भारतः विरासत व विकास।' भारत सरकार ने सभी मंत्रालयों और राज्यों से पहले ही कह रखा है कि गणतंत्र दिवस परेड में वे अपनी झांकियों में देश की विरासत और विकास को प्रदर्शित करें। ये शानदार झांकियां, गणतंत्र दिवस की परेड में आज दिल्ली में आयोजित हो रहे भव्य कार्यक्रम में प्रदर्शित की जाएंगी। आज के इस विशेष राष्ट्रीय उत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शामिल हो रहे हैं।

इसलिए चुनी गई यह तारीख

हम सभी देशवासी जानते हैं कि गणतंत्र दिवस, हर साल 26 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पर्व है, जो इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1950 में 26 जनवरी को ही संविधान ने भारत के प्रशासनिक दस्तावेज के रूप में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 की जगह ली थी। हालांकि भारत की संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को ही संविधान स्वीकार कर लिया था, लेकिन इसे लागू 26 जनवरी 1950 को किया गया। गणतंत्र दिवस के लिए 26 जनवरी की तिथि का चयन इसलिए किया गया, क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 26 जनवरी 1930 को ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वराज की घोषणा की थी।

समझें देश की विरासत की महत्ता

हम सब गणतंत्र दिवस पर जश्न इसलिए मनाते हैं कि हम भारतीय संविधान के प्रावधानों को हमेशा याद रखें और उनका पालन करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहें। संविधान के प्रावधानों के अर्थ को समझें और सुनिश्चित करें कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत का निर्माण कर सकें। जिस तरह सदियों पहले भारत देश सोने की चिड़िया कहलाता था। उसे फिर से वैसा ही बनाना है, वही गौरव दिलाना है। यह तभी मुमकिन हो सकेगा कि जब हम अपनी विरासत को समझेंगे और आधुनिक तर्ज पर भारत के विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे।

बहुत विशिष्ट है इस वर्ष की थीम

इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह की थीम 'स्वर्णिम भारतः विरासत व विकास' सटीक और सारगर्भित है। भारत एक देश के भीतर एक महाद्वीप की तरह है, जिसकी सांस्कृतिक विरासत समृद्ध और विविधताओं से भरी है। यह लगभग 5000 साल पुरानी विरासत देश के महान-बहुरंगी अतीत को प्रतिबिंबित करती है। प्राचीन सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर आज की वर्तमान संस्कृति तक भारत की गौरवमयी गाथा परंपराओं, आस्थाओं और कलाओं में बुनी हुई है, जिनसे अनेक देशज समूह और धर्मों को आकार मिला है।

बहुरंगी है भारतीय संस्कृति

भारत में प्रत्येक सांस्कृतिक कलाकृति और विरासत, देश की साझा संस्कृतियों का हिस्सा है, जो अतीत को वर्तमान से जोड़ता है। लेकिन आज के भूमंडलीकृत संसार में इस विरासत को बचाए रखना कठिन चुनौती है। सांस्कृतिक कलाकृतियों का संरक्षण और व्याख्या का प्रयास, आधुनिकता के दबावों की गति के अनुरूप होना चाहिए। इन चुनौतियों के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत की सांस्कृतिक विरासत देश की एकता और अखंडता का स्रोत है, जो किसी समय सीमा में नहीं बंधा हुआ है। सांस्कृतिक विरासत जीने के तरीकों की वह अभिव्यक्ति है, जो एक समुदाय विकसित करता है और फिर वह रीति-रिवाजों, प्रथाओं आदि के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती है।

दिखता है लोककला-ज्ञान का संगम

भारत की सांस्कृतिक विरासत न केवल संसार में सबसे प्राचीन विरासतों में से एक है बल्कि बहुत विस्तृत और विविधतापूर्ण भी है। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासतों के कारण भारत, विविधताओं का देश कहलाता है। भारत में ज्ञान, विज्ञान और जीवन दर्शन का विकास अनुभव, अवलोकन, प्रयोगों और विश्लेषण से हुआ है। तभी हमें योग, आयुर्वेद जैसी विलक्षण सौगातें मिली हैं। भारत की लोकसंस्कृति परंपराओं, कलाओं और रीति-रिवाजों का अदभुत संगम है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी सिंधु घाटी की सभ्यता से निरंतर चली आ रही हैं। इनमें क्षेत्रीय प्रथाएं, दस्तकारी, संगीत, नृत्य आदि शामिल हैं, जैसे महाराष्ट्र का लावणी नृत्य, बिहार की मधुबनी चित्रकारी आदि। साहित्य और कविता के क्षेत्रों में भी प्राचीन समय से आज तक निरंतर विकास हो रहा है। जहां तक आर्ट और आर्किटेक्चर की बात है तो प्राचीन और आधुनिक संरचनाओं का भी विलक्षण संगम अपने देश में दिखता है। खजुराहो और अजंता-एलोरा के मंदिरों-गुफाओं से लेकर ताजमहल, लाल किला, हवा महल होते हुए संसद की नई इमारत तक।

अमूल्य है सांस्कृतिक विरासत

यूनेस्को के अनुसार सांस्कृतिक विरासत, प्रोडक्ट और प्रोसेस दोनों होती है, जो समाजों को संसाधनों की वह दौलत प्रदान करती है, जो अतीत से विरासत में मिलते हैं। वर्तमान में इनकी रचना होती है और फिर ये भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए छोड़ दिए जाते हैं। सांस्कृतिक विरासत मुख्यतः दो प्रकार की होती हैं। एक के तहत इमारतें, स्मारक आदि आते हैं यानी वे चीजें जिन्हें बनाया जाता है जैसे लालकिला, ताजमहल, राजस्थान के पहाड़ी किले, प्राचीन मंदिर आदि। दूसरा- प्रथाएं, ज्ञान, कलाएं आदि। इनमें कलाकृतियों, लोकनृत्य, लोकसाहित्य आदि के साथ ही रामलीला, कुंभ मेला आदि भी शामिल किए जा सकते हैं।

विविधता को बनाएं हम अपनी शक्ति

भारत उत्सवों का भी देश है। यहां लगभग रोज ही देश में कहीं न कहीं कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। अपने देश में धार्मिक विविधता भी भरपूर है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि कई धर्मों के लोग यहां रहते हैं। हालांकि संविधान ने 22 भाषाओं को ही आधिकारिक माना है, लेकिन भारत में 1,600 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं।

3अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाओं में भारत विशिष्ट है। जन्म से लेकर विवाह, और मृत्यु संस्कार तक के इतने अलग-अलग रीति-रिवाज हैं कि कई ग्रंथ संकलित किए जा सकते हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत को बेहतर समझने से हमें अपनी व्यक्तिगत पहचान का भी बोध होता है। अतीत को वर्तमान से जोड़ने पर ही राष्ट्र की पहचान बनती है, राष्ट्र मजबूत होता है और देश विकास करता है। सांस्कृतिक विरासत की समझ से जो साझा पहचान बनती है, वह क्षेत्रीय, भाषायी और धार्मिक सीमाओं के अंतर को पार करती हुई नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधती है और यही देश के आर्थिक विकास का आधार बनता है। इसलिए गणतंत्र दिवस के अवसर पर जो विरासत और विकास से संबंधित विभिन्न झांकियां आज देखने को मिलेंगी, वो हम सभी देशवासियों को प्रेरित करेंगी कि भारत का भविष्य भी स्वर्णिम हो जाए, एक बार फिर सोने की चिड़िया कहलाने लगे, इसके लिए हम अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करें। *

नई पीढ़ी रच सकती है गणतंत्र का नया स्वरूप

आज भारत के गणतांत्रिक सफर के 75 सालों बाद अगर हमें और तेजी से आगे बढ़ना है, अपने गणतांत्रिक मूल्यों, संस्कारों और संस्कृति को जीवंत बनाए रखना है, तो युवाओं को आगे बढ़कर एक नए गणतंत्र के रूप में भारत के सृजन की जिम्मेदारी लेनी होगी।

आह्वान
लोकमित्र गौतम

भारत के गणतांत्रिक इतिहास में गुजरे 75 साल बेहद रचनात्मक और बहुत उपलब्धियों से भरपूर रहे हैं। लेकिन प्रगति का यह सफर अनवरत जारी रहे, इसके लिए बदलती जरूरतों के अनुसार समय-समय पर पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी को अपने हाथ में जिम्मेदारियां लेनी होती हैं। मिली हुई विरासत में कमियां निकालने के बजाय उन्हें खुद इसका विस्तार और इसे मजबूत बनाने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए युवाओं को कुछ इस तरह हर पग समझदारी से बढ़ाना चाहिए।

संविधान को समझें

अपनी आजादी और गणतांत्रिक देश के सम्मान का सबसे अच्छा तरीका है, हमें अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए, इसके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। युवाओं को सबसे पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़नी चाहिए और इसमें लिखे शब्दों को जीवनमूल्य के रूप में आत्मसात करना चाहिए। सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों को समझने और एक नागरिक के रूप में, संविधान में मिले अधिकारों का प्रचार-प्रसार करने में कर सकते हैं, इससे उनमें स्वतंत्रता और जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

समाज सेवा-सांस्कृतिक उल्लास

युवाओं को अपने नागरिक कर्तव्यबोध को आत्मसात करने के लिए और उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए स्थानीय स्तर पर समाज सेवा का काम करना चाहिए जैसे-अपने गली-मुहल्ले और आस-पास के इलाकों में स्वच्छता अभियान चलाएं, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाएं। ऐतिहासिक और सार्वजनिक स्थानों के प्रति खुद भी संवेदनशील बनें और लोगों को बनाएं, गरीब और जरूरतमंद लोगों की न सिर्फ मदद करें बल्कि शासन-प्रशासन से उन्हें मदद दिलवाने में मददगार बनें, अपने इर्द-गिर्द शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को आयोजित करें और लोगों को शिक्षित, प्रशिक्षित करने में अपनी भूमिका अदा करें।

एक सच्चे नागरिक और लोकतांत्रिक होने के नाते युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से प्यार करना चाहिए। स्थानीय लोकनृत्यों, संगीत और कलाओं को समझना चाहिए। इनसे संबंधित कार्यक्रमों में पूरी दिलचस्पी के साथ हिस्सेदारी करनी चाहिए।

खेलों में बढ़ाएं देश का नाम

किसी देश को गौरव के क्षण प्रदान करने के लिए खेलों की भी अपनी भूमिका होती है। भारतीय युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेकर देश को इस तरह के गौरव के क्षण से रूबरू कराना चाहिए। यह भी बहुत बड़ी देशभक्ति और समाज के प्रति संवेदनशील होना है। इसलिए युवाओं को ज्यादा से ज्यादा स्पोर्ट्स गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिए। इसके लिए अपनी फिटनेस पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। जो लोग फिट होते हैं, स्वस्थ होते हैं, वे अपना हर काम बेहतर तरीके से पूरा कर पाते हैं। फिट रहना, स्पोर्टी होना, ये हमारे निजी गुण तो हैं ही, इससे हम अपने देश को प्रतिष्ठा दिलाने में सहायक हो सकते हैं।

आर्थिक विकास में योगदान

युवाओं को यह नहीं समझना चाहिए कि राष्ट्र निर्माण में वो तभी भागीदारी कर सकते थे, जब स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में पैदा होते। जी नहीं, किसी राष्ट्र को हमेशा राष्ट्र निर्माण करने वालों की जरूरत होती है। आज के युवाओं को देश में साइंटिफिक टैंपरामेंट पैदा हो, इसके लिए उन्हें शिक्षा, विज्ञान और तकनीकी नवाचार में जहां खुद अपने कौशल को विकसित करके भागीदार बनना चाहिए, वहीं ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के प्रति जिज्ञासु रवैय्या अपनाकर युवा राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी नवाचार में अपने रचनात्मक कौशल से योगदान देना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह सबसे बड़ा योगदान हो सकता है कि वे अपनी उद्यमिता से रोजगार के अवसर विकसित करें।

करप्शन रोकने में सहायक

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज भारतीय गणतंत्र को अगर सबसे ज्यादा किसी एक बुराई से खतरा है, तो वह भ्रष्टाचार है। तमाम तकनीकी उन्नति और कारोबारी प्रगति के बावजूद भारतीय समाज भ्रष्टाचार से जकड़ा हुआ है। युवाओं को इस भ्रष्टाचार की बुराई को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए। यह न केवल देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है बल्कि यह युवाओं के भविष्य को भी बर्बाद कर देता है। भारत को अगर विश्व गुरु बनना है, दुनिया को राह दिखाने वाला जीवंत लोकतंत्र बनना है तो भ्रष्टाचार से मुक्त होना ही होगा और इसका बीड़ा युवाओं को ही उठाना होगा। *

दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

भारत बना महान

भारत के जनतंत्र की, सकल विश्व में शान।
जन-गण-मन का हो रहा, हर पल नित सम्मान।।
जब से पाया देश ने, महान प्रखर विधान।
संप्रभु बनकर कर रहे, हम निज का यशगान।।
अंग्रेजों पर वार कर, हम हो गए स्वतंत्र।
संविधान का पा गए, वैभवशाली यंत्र।।
बने प्रखर, यशपूर्ण हम, नित पाया उत्थान।
संविधान का वेग ले, भारत बना महान।।
सप्त दशक का यह सफर, सचमुच देता हर्ष।
जीते हम हर हाल में, कैसा भी संघर्ष।।
भारत का जनतंत्र है, सारे जग में खास।
करने जो पूरी लगा, हर इक जन की आस।।
सभी नागरिक पा रहे, निर्धारित अधिकार।
संविधान ने कर दिए, ख्वाब सभी साकार।।
लिए एकता भाव हम, गाते मिलकर गीत।
हम सेनानी पर हमें, भाती दिल की जीत।।
निज शासन सुखकर लगा, जिसमें है आलोक।
लोकतंत्र के आंगना, परे हटा सब शोक।।
आओ, हम वंदन करें, करें आज जयघोष।
भारत दुनिया का गुरु, करें यही उद्घोष।।

छोटी कहानी
डॉ. शैल चंद्रा

बड़े साहब की चाय

इंसान छोटा या बड़ा नहीं होता, हर इंसान की अपनी एक अहमियत है। बड़े से बड़े आदमी के सामने एक छोटा सा इंसान बहुत अहम हो सकता है। आम आदमी की ताकत पर केंद्रित कहानी।

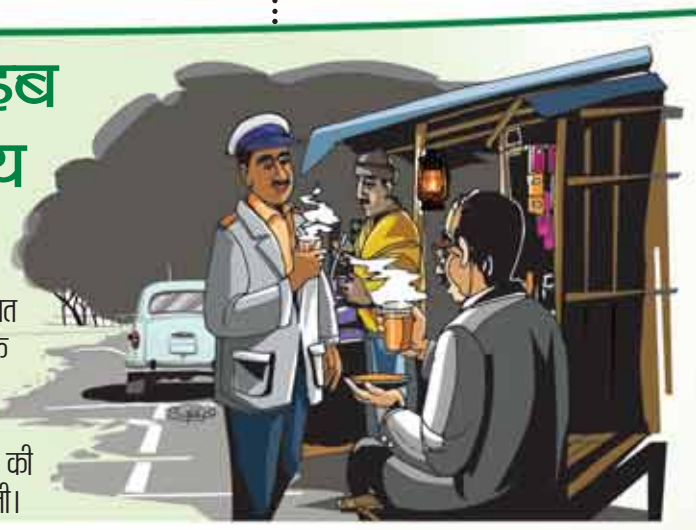

आज बड़े साहब ऑफिस के काम से कहीं बाहर जा रहे थे। जाते-जाते शाम हो गई थी। अचानक उनकी गाड़ी रुक गई। बड़े साहब ने ड्राइवर से पूछा, 'क्या हुआ? अचानक गाड़ी क्यों रोक दी?'

ड्राइवर चिंतित स्वर में बोला, 'लगता है इंजन में कुछ खराबी आ गई है। गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रही है। अब यहां सुनसान सड़क पर मिस्त्री कहां मिलेगा?'

बड़े साहब ने देखा सड़क के किनारे कहीं दूर से धुंआ उठ रहा था। वह बोले, 'देखो, वहां कोई झोपड़ी-सी दिख रही है। जाकर पूछो, शायद कोई मिल जाए।'

ड्राइवर हां में सिर हिलाते हुए तुरंत गाड़ी से उतर गया। कुछ दूरी पर ही एक चाय का टपरा था। वहां कुछ लोग बैठे हुए अलाव ताप रहे थे। वे लोग चाय की चुस्कियों के साथ देश की राजनीति और आम आदमी पर चर्चा कर रहे थे। टपरे वाला भी उनकी बातों में हां में हां मिला रहा था। ड्राइवर को देख वे लोग चुप हो गए। एक ने पूछा, 'लगता है आप सरकारी ड्राइवर हो?'

ड्राइवर ने बताया, 'हां जी, मैं सरकारी ड्राइवर हूं। हमारी गाड़ी बिगड़ गई है। यहां कोई मिस्त्री मिलेगा क्या? हमें बहुत दूर जाना है। गाड़ी में बड़े साहब बैठे हैं।'

टपरे वाले ने मुस्कुराते हुए कहा, 'भइया, यहां आस-पास तो कोई मिस्त्री नहीं है। पर हां यहां से कोई आठ किलोमीटर पर एक गांव है। वहां एक मिस्त्री है तो लेकिन यहां तक वह आएगा कि नहीं, यह मैं नहीं कह सकता। मूडी टाइप का है वह। फोन करके देख लो। यह लो उसका मोबाइल नंबर।'

ड्राइवर ने उस मिस्त्री को फोन लगाया, 'सुनो मिस्त्री जी, हमारे बड़े साहब की गाड़ी बिगड़ गई है। रास्ते में खड़ी है। आप यहां मुढ़ीपार रोड के पास आ जाइए।'

उधर से जवाब आया, 'ठीक है भाई, आधा से पौना घंटा लग सकता है, क्योंकि मेरे पास गाड़ी नहीं है। अगर कोई लिफ्ट मिलेगी तो आ जाऊंगा। देखो न ठंड भी कड़ाके की है।'

ड्राइवर ने अपने लिए एक चाय बनवाई और गाड़ी के पास आ गया। बड़े साहब गाल पर हाथ धरे चुपचाप बैठे थे। ड्राइवर ने सारी बातें बड़े साहब को बताईं और पूछा, 'साहब चाय पिएंगे क्या? गुड़ और अदरक वाली है। अच्छी है, ठंड में आपको राहत देगी।'

साहब ने यह सुनकर मुंह बिचकाया बोले, 'मैं भला इस टपरे की चाय पिऊंगा? सोच-समझ कर बोला करो, मेरा स्टेटस मायने रखता है।'

यह सुनकर ड्राइवर का चेहरा उतर गया।

ठंड के मौसम की सांझ आंख-मिचौली खेलते हुए अचानक कब गायब हो जाती है, अंधेरा घिर आता है, पता ही नहीं चलता। अब तो ठंड और भी बढ़ चली थी। ड्राइवर ने मिस्त्री को फिर फोन लगाया पर यह क्या, यहां तो नेटवर्क ही नहीं था। वह बहुत चिंतित हो गया-अब क्या करें?

इधर बड़े साहब झुंझला रहे थे कि अब तक मिस्त्री क्यों नहीं आया? उधर टपरे से लगातार धुंआ उठ रहा था। गुड़ के चाय की खुशबू हवा के झोंकों में आ रही थी। साहब को चाय की खुशबू ललचा रही थी। मन तो कर रहा था कि चाय पी लिया जाए लेकिन साहबियत आड़े आ रही थी। गाड़ी में लगातार बैठे हुए वह उकता चुके थे। अब तो रात हो चुकी थी। टपरे से कोई आवाज नहीं आ रही थी।

बड़े साहब ने ड्राइवर से कहा, 'जाओ उस चाय वाले से पूछो कि वह मिस्त्री आएगा कि नहीं।'

'साहब थोड़ा आप साथ चलते तो उस टपरे वाले पर दबदबा बनता।' ड्राइवर ने डरते-डरते साहब से कहा।

'चलो देखते हैं।' कहते हुए बड़े साहब गाड़ी से उतर गए। बाहर भयानक ठंड ने जैसे साहब को जकड़ लिया। वह शी-शी करते कांपने लगे। अब तो चाय की तलब उन्हें जोरों से लगने लगी। वह मन ही मन गुड़-अदरक वाली चाय पीने की सोचने लगे। तभी टपरे वाला बोला, 'साहब अब तो इतनी रात इतनी ठंड में कोई नहीं आने वाला। सुबह ही आपकी गाड़ी ठीक हो पाएगी। आपको तो यहीं रात बितानी पड़ेगी। छोटा मुंह बड़ी बात, बुरा न मानें तो आप लोग इस गरीब के टपरे में आराम कर सकते हैं।' साहब धीरे से बोले, 'चाय मिल जाती तो अच्छा होता।' यह सुनते ही ड्राइवर चौंक पड़ा। उसके चेहरे पर मुस्कान तिर आई। ड्राइवर ने टपरे वाले से कहा, 'साहब को बढ़िया स्पेशल चाय पिलाओ भाई! ये बहुत बड़े साहब हैं।'

यह सुनकर टपरे वाले ने कहा, 'भई! बड़े साहब हों या कोई छोटा आदमी यह तो मैं नहीं जानता। हमारे लिए तो सभी ग्राहक एक समान भगवान जैसे होते हैं। अभी तो मेरा चूल्हा भी बुझ गया है। मैं तो घर जाने ही वाला था कि आप लोग आ गए। साहब की मजबूरी देखकर ही अब मुझे चूल्हा फिर से जलाकर चाय बनानी पड़ेगी।'

बड़े साहब ने राहत की सांस ली। खामोशी से चाय बनने का इंतजार करने लगे। वह मन ही मन समझ रहे थे- एक छोटे से छोटे आदमी का अपना महत्व है, कोई छोटा नहीं होता। *

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह होगा पुलिस ग्राउंड में

लोक निर्माण मंत्री झंडा फैहरा कर लेंगे परेड की सलामी

जबलपुर। राष्ट्र का 76वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया जायेगा। जिले में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस ग्राउंड में आयोजित किया गया है। यहां सुबह ठीक 9 बजे प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह राष्ट्रीय ध्वज फैहराकर कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश का वाचन करेंगे। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में आयोजित परेड में जिला पुलिस बल, एस.ए.एफ., जेल प्रहरी, होमगार्ड, यातायात पुलिस, एन.सी.सी. के सीनियर ब्वायज एण्ड गर्ल्स, एन.सी.सी. जूनियर ब्वायज एण्ड गर्ल्स, एनसीसी नेवल यूनिट तथा स्काउट-गाईड की प्लाटून शामिल होंगी। परेड में शहर एवं ग्राम रक्षा समिति, ट्रेफिक वार्डन एवं शौर्या दल की टुकड़ी भी सम्मिलित होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम नगर के शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये जायेंगे।

मुख्य समारोह में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा अपनी उपलब्धियों एवं योजनाओं पर आधारित झांकियां भी निकाली जायेगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों एवं अन्य व्यक्तियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों और लोकतंत्र रक्षा सेनानियों का शॉल, श्रीफल से सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्मारकों पर रोशनी

समारोह स्थल पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, भूतपूर्व सैनिकों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, पत्रकारों सहित यहां पहुंचने वाले आम नागरिकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। समारोह स्थल पर सुरक्षा के भी व्यापक प्रबंध किये गये हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले में स्थित राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों एवं स्थलों, शासकीय भवनों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं में ध्वजारोहण किया जायेगा। जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के साथ-साथ अनुविभाग, तहसील, विकासखण्ड, नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायत स्तर तक गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किये जायेंगे और सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले के नागरिकों से गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाने की अपील की गई है।

गणतंत्र के राष्ट्रीय महापर्व पर आज सर्वत्र फहरायेगा तिरंगा

जबलपुर। राष्ट्रीय महापर्व गणतंत्र दिवस आज 26 जनवरी को पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह के साथ ही जिले भर में शासकीय अशासकीय दफ्तरों व स्कूल, कॉलेजों में भी पूरी आन बान शान के साथ तिरंगा फहराया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर अनेक स्थानों पर सांस्कृतिक देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है।

नगर निगम- नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू प्रातः 7.30 बजे ध्वजारोहण कर अग्नि सैन्य दल द्वारा प्रस्तुत परेड की सलामी लेंगे। नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज और नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा सहित सभी पार्षद उपस्थित रहेंगे।

नगर कांग्रेस- शहर कांग्रेस सौरभ शर्मा ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर शहर कांग्रेस के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के उत्तरा अधिकारियों एवं नगर के कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति में को सुबह 8.30 बजे तिलक भूमि तलैया शहीदों के स्मारक एवं 9 बजे त्रिपुरी कांग्रेस कमानिया गेट व 9.15 बजे खादी भंडार में तिरंगा फैहराएंगे।

जेडीए- जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संभागायुक्त अभय वर्मा प्रातः 8 बजे ध्वज फैहराएंगे। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक वैद्य ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

डीआरएम कार्यालय- मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा मंडल कार्यालय में गणतंत्र दिवस पर आज प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं देश भक्ति के कार्यक्रम भी प्रस्तुति किए जायेगे। इसी तरह जबलपुर रेलवे स्टेशन में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा द्वारा प्रातः 7.30 बजे तिरंगा फैहराया जाएगा। रेलवे की सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के कार्यालय में भी ध्वजारोहण प्रातः 10 बजे सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह एवं डॉ. गुंजन यादव सहित रेलवे अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

विद्युत कंपनी मुख्यालय में ध्वजारोहण- मध्यप्रदेश की बिजली कंपनियों के मुख्यालय में 76 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी पाण्डुताल मैदान में प्रातः 9 बजे ध्वजा फैहराएगें। इस अवसर पर अनय द्विवेदी सुरक्षा सैनिकों की परेड की सलामी लेंगे। गणतंत्र दिवस समारोह में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी, पावर जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर टेक्नकिल सुबोध निगम, डायरेक्टर कॉमर्शियल मिलिन्द भान्दक्कर, एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) राजीव गुप्ता एवं बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अभियंता व कार्मिक उपस्थित रहेंगे।

भाजपा नगर कार्यालय में ध्वजारोहण- गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी संभागीय कार्यालय रानीताल में प्रातः 9 बजे नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के सभी कार्यकर्ताओ से उपस्थिति की अपील संगठन ने की है।

कृषि विवि- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर मुख्यालय स्थित जवाहर क्रीड़ांगन में 26 जनवरी, को 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के पावन अवसर पर मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे।

एम.पी. ट्रांसको- गणतंत्र दिवस के अवसर पर एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के सभी ट्रांसमिशन लाइन मेटेनेन्स (टी.एल.एम.), 416 एकस्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशनों तथा ट्रांसको कार्यालयों में झंडा फैहराया जाएगा। एम.पी. ट्रांसको का मुख्य समारोह मुख्यालय जबलपुर स्थित स्काडा कंट्रोल सेंटर नयागांव के परिसर में आयोजित है। जहां प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

बड़ी ओमती चौक में बुजुर्गो का सम्मान- राष्ट्र के 76 वें गणतंत्र दिवस पर मुस्लिम लीगल एड.एण्ड वेलफेयर सोसायटी द्वारा बड़ी ओमती चौक में प्रातः 11:00 बजे झंडा फहराया जाएगा इसके पश्चात समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले समाजसेवियों और बुजुर्गों का सम्मान कर मिष्ठान वितरण किया जाएगा। सोसायटी के शफी खान ने बताया कि सोसायटी द्वारा बड़ी ओमती चौक में प्रातः11 बजे अध्यक्ष शबाब खान झंडा फहराएगे इसके पश्चात समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले समाजसेवियों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाएगा और मिष्ठान वितरित कर यह महापर्व मनाया जाएगा।

बिलाबोंग, कंगारू किड्स व इकिगाई के सौजन्य से सम्पन्न हुआ मिलांज 2025

जबलपुर। बहुमुखी प्रदर्शन तथा कौशल के लिए 'बिलाबोंग' की छवि सदैव अतुलनीय तथा अग्रगण्य रही है। इसी परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी विद्यालय प्रांगण में 'मिलांज' का आयोजन बड़ी ही धूमधाम तथा हर्षोलास के साथ सम्पन्न हुआ। इस मेले की सजावट भव्य तथा बेहद आकर्षक तथा दर्शनीय थी, जिसकी तैयारियाँ बड़े ही जोरों- शोरों से की गयी थी। इस पर्व के मुख्य आकर्षणों ने सभी को बांध के रखा जिसमें खाने-पीने के विविधता के साथ विभिन खेलों ने मानो सब को मंत्रमुग्ध सा कर दिया था। इस पर्व के मुख्य आकर्षण रैंप वाक, मिस्टर

व मिस जबलपुर, ट्रैम्पोलिन, स्लाइड, टैटू, वाक इन वाटर (पानी में चलना), मिट्टी के खिलौने तथा बर्तन बनाना इत्यादि थे।

कमर्शियल स्टॉल जैसे कुर्तियाँ, आकर्षक ज्वेलरी, घर की साज-सज्जा की सामग्री इत्यादि सभी को लुभा रहे थे। विभिन्न प्रकार के खेलों के स्टॉल से बच्चे आकर्षित हो रहे थे और आकर्षक पुरुस्कार पाकर आनंदित हो रहे थे।नृत्य प्रतियोगिता ने अपनी अनूठी छटा से समा बना दिया। इससे एकल व युगल दोनों ही नृत्य जो कि फयेरिटेल पर आधारित थे तत्पश्चात विजेताओं को पारितोषिक वितरित किये गए। इस पर्व की सफलता का श्रेय शाला संस्थापिका अर्पिता मालपानी, शाला सीईओ प्रदीप गंगाधरन, शाला प्रधानाचार्या सायमा खान, उप प्रधानाचार्या दीप्ति सत्संगी, प्रधानाचार्या कंगारू किड्स सोनिया कोचर, पूर्णिमा मेंदिरत्ता प्रधानाचार्या इकिगाई तथा समस्त शिक्षकों को जाता है। भविष्य में भी इस तरह के रंगारंग कार्यक्रमों की अनूठी छठा हमारे प्रांगण में बिखरती रहेगी।

मानकुंवर बाई कॉलेज में राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर संगोष्ठी संपन्न

जबलपुर। शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग एवं मप्र पर्यटन बोर्ड भोपाल बायपास संस्थान एवं जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 25 जनवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. स्मृति शुक्ल के संरक्षण एवं भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने संगोष्ठी की उपादेयता प्रस्तुत की एवं कहा कि पर्यटन विकास के लिए सतत प्रोत्साहन की आवश्यकता है। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता हेमंत सिंह ने जबलपुर जिले के विविध नवीन पर्यटन स्थल एवं रोजगार मूलक प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय नागरकर ने पर्यटन के मूलतत्वों पर एवं पर्यटन विकास पर प्रकाश डाला।

परीक्षा का अनावश्यक तनाव दूर करने समयसारिणी बनाएं: मानसी गोविल

जबलपुर। परीक्षा का नाम सुनते ही कई छात्रों के मन में चिंता और घबराहट की लहर दौड़ जाती है। यह चिंता केवल उनके तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि माता-पिता और शिक्षकों के चेहरे पर भी तनाव की झलक साफ देखी जा सकती है। खासकर, जब कक्षा 10वीं और 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं पास आ रही हों, तो यह तनाव और बढ़ जाता है। ऐसे समय में यह जरूरी है कि हम न केवल इस डर को समझें, बल्कि इसे कम करने के लिए सही कदम उठाएं। परीक्षा तनाव क्यों होता है छात्रों के मन में परीक्षा का तनाव पैदा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। अच्छे अंक लाने की उम्मीदें और दूसरों से तुलना अक्सर बच्चों को मानसिक

रूप से परेशान कर देती हैं। समय पर पढ़ाई की योजना न बनाना और आखिरी समय पर सब कुछ निपटाने की कोशिश करना तनाव को दोगुना कर देता है। अगर मैं पास नहीं हुआ या अगर मेरे नंबर कम आए तो लोग क्या कहेंगे? जैसे विचार छात्रों के मन में डर पैदा करते हैं। तनाव कम करने के आसान उपाय-परीक्षा का तनाव नया नहीं है, लेकिन इसे दूर करने के कई प्रभावी तरीके हैं। पढ़ाई के लिए समय सारिणी बनाएं और रोज़ थोड़ा-थोड़ा पढ़ाई करें। इससे आखिरी समय का बोझ कम हो जाएगा। आराम को भी समय दें। लगातार पढ़ाई करने से बेहतर है कि बीच-बीच में छोटे ब्रेक लें। योग, ध्यान या गहरी सांस लेने की तकनीक अपनाएं। हमेशा याद रखें, परीक्षा केवल एक सीखने की प्रक्रिया है। परिणाम, जीवन का अंत नहीं है।

रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ का श्रमिक सम्मेलन संपन्न

जबलपुर। भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के राष्ट्रीय प्रभारी मनोरंजन कुमार के आदेशानुसार भारत सरकार रेल मंत्रालय व श्रम मंत्रालय से पास की गई सभी सुविधा को मजदूरों के हाथों तक पहुंचाने के लिए कछपुरा रेलवे माल गोदाम पर आमसभा का आयोजन 25 जनवरी को किया गया, जिसमें माल गोदामों में कार्यरत श्रमिकों की आम सहमति से नारायण प्रसाद कोल को कछपुरा रेलवे माल गोदाम का अध्यक्ष चुना गया एवं जबलपुर डिवीजन पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रणवीर सिंह, सुधीर गुप्ता, निकलेश, राजेन्द्र, प्रतीक, श्री बंसल, श्री निजाम, नागेन्द्र सहित बड़ी संख्या में श्रमिक भाई उपस्थित रहे।

पासी समाज का परिचय सम्मेलन 30 मार्च को

जबलपुर। पासी महासंघ जबलपुर की बैठक 25 जनवरी को विनोद पासी एवं तोताराम बावरिया की अध्यक्षता में पासी मंगल भवन सदर में संपन्न हुई, जिसमें पासी समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 30 मार्च को सदर में आयोजित करने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में संरक्षक तोताराम बावरिया, धनराज बावरिया, जितेन्द्र वर्मा, राजू पासी, धर्मेन्द्र बावरिया, एड. विजय पासी, मातृशक्ति सीमा पासी, सुमन पासी, उर्मिला बावरिया, सुभा पासी सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट चले आएं गोपनीय चरित्रावली लिखने वाले अधिकारी

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अवनींद्र कुमार सिंह की एकलपीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए गोपनीय चरित्रावली लिखने वाले अधिकारी को व्यक्तिगत या वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। अवमानना याचिकाकर्ता सुरेश प्रसाद दुबे की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, सुशील कुमार तिवारी, आनंद शुक्ला व विनीत टेहनगुरिया ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि असंवेदनशील तरीके से प्रतिकूल गोपनीय चरित्रावली लिखे जाने से अवमानना याचिकाकर्ता पदोन्नति से वंचित हो गया है। उसने याचिका के जरिए पदोन्नति रोके जाने के रवैये को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने राहतकारी आदेश पारित किया था। लेकिन उसका पालन नहीं किया गया। इसीलिए अवमानना याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार गोपनीय चरित्रावली में प्रतिकूल टिप्पणी के आधार पर पदोन्नति रोके जाने जैसा बड़ा दंड सर्वथा अनुचित है।

जायसवाल समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। जायसवाल समाज जबलपुर द्वारा युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन आज 26 जनवरी को प्रतिवर्ष अनुसार मदन महल रेलवे स्टेशन स्थित उत्सव भवन में सुबह 11 बजे से आयोजित है समाज अध्यक्ष केशव जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से भी समाज के लोगों का आगमन हो रहा है महिला मंडल के अध्यक्ष श्रीमती विनीता राय ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा युवा संगठन के संजीव जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के संत पगलानंद महाराज होंगे एवं विशिष्ट अतिथि जबलपुर सांसद आशीष दुबे एवं उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पांडे होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित की अपील समाज के विजय जायसवाल ,सुभाष जायसवाल, रमाकांत जायसवाल, एस के राय, बॉबी जायसवाल, शोभित जायसवाल, राजेश जायसवाल एमपीईबी, एडवोकेट प्रेम जायसवाल, संतोष जायसवाल, प्रशांत जायसवाल, छोटेलाल जायसवाल ,समय लाल जायसवाल, रामजतन जायसवाल एवं सभी कार्यकारिणी सदस्य ने किया है।